



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 8, 1975/फाल्गुन 17, 1896  
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 8, 1975/PHALGUNA 17, 1896

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## भाग II खण्ड 4

### PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गये सांविधिक नियम और आदेश  
Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

अनुसूची

नई दिल्ली, दिनांक, 5 फरवरी, 1975

का० नि० प्रा० 88.—यह इससे उपाखण्ड अनुसूची में निविष्ट सम्पत्ति का 24-परगना के कलक्टर के आदेश सं० एल ए VIII/14/64-65 के अन्तर्गत 21-5-65 से, केन्द्रीय सरकार के और आगे आदेश होने तक के लिये अधिग्रहण कर लिया गया था,

और यह केन्द्रीय सरकार ने विनिश्चय किया है कि उक्त सम्पत्ति को अधिग्रहण से मुक्त कर दिया जायेगा,

और यह अवल सम्पत्ति अधिग्रहण एवं अर्जन अधिनियम, 1952 (1952 का 30वां) की धारा 6 की उप धारा (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैंने अर्थात् श्री अभिताम भट्टाचार्य, एम० ई० ओ० कलकत्ता सर्कल, ने उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी होने के साथ, सर्व श्री आरिन्द्र राम बकशी सुपुत्र सरत राम बकशी को ऐसे व्यक्ति के रूप में निविष्ट किया है जिसे उक्त सम्पत्ति का कब्जा दिया जायेगा,

और यह, उक्त आरिन्द्र राम बकशी को खोजा नहीं जा सका है और न उनका कोई ऐसा एजेंट अथवा अन्य व्यक्ति है जो उनकी ओर से कब्जा लेने के लिये मन्नत हो

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं श्री अभिताम भट्टाचार्य, एम० ई० ओ०, कलकत्ता सर्कल, एतद्द्वारा घोषित करता हूँ कि उक्त सम्पत्ति को अधिग्रहण से मुक्त किया जाता है।

मौजा—सत्री बती  
कचरापारा  
सी० एस० प्लाट न०  
143

थाना—बीजपुर  
24 परगना  
एरिया  
0.46 एकड़

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, The 5th February, 1975

S.R.O. 88.—Whereas the property specified in the Schedule hereto annexed was requisitioned by the order of the Collector, 24-Parganas No. LAVIII/14 of 64-65 with effect from 21-5-1965 untill further order of the Central Government.

And whereas, the Central Government have decided that the said property shall be released from requisition.

And whereas, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 6 of the Requisitioning and Acquisition of Immovable Property Act, 1952 (No. XXX of 1952) I, Shri Amitava Bhattacharya, MEO, Calcutta Circle being a competent authority under the said Act have specified Sarvashri Arindra Ram Bakshi S/o Sarat Ram Bakshi as the person to whom the possession of the said property shall be given;

And whereas, the said Sarvashri Arindra Ram Bakshi cannot be found and has no agent or other person empowered to accept delivery on his behalf;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, I Shri Amitava

Bhattacharya MFO, Calcutta Circle do hereby declare that the said property is released from requisition.

## SCHEDULE

Mouza—Satrubati,—P. S. Bijpur.  
Kanchrapara.—24-Parganas

C. S. Plot No	Area
143	0.46 Acres

का० नि० ब्रा० 89.—यत् इससे उपाबद्ध अनुसूची में निर्दिष्ट सम्पत्ति का 24-परगना के कलेक्टर के आदेश सं एन ए VIII/14/64-65 का के अन्तर्गत 21-5-65 से, केन्द्रीय सरकार के और आगे आदेश होने तक के लिये अधिग्रहण कर लिया गया था ;

और यत् केन्द्रीय सरकार ने विनिश्चय किया है कि उक्त सम्पत्ति को अधिग्रहण से मुक्त कर दिया जायेगा ;

और यत् अबल सम्पत्ति अधिग्रहण एव अर्जन अधिनियम, 1952 (1952 का 30वां) की धारा 6 की उपधारा (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैंने अर्थात् श्री अभिताम भट्टाचार्य, एम० ई० ओ०, कलकत्ता सर्कल, ने उक्त अधिनियम के अधीन मक्षम प्राधिकारी होने के नाते, सर्वे श्री जुगल चन्द्र घोष सुपुत्र गोपाल चन्द्र घोष को ऐसे व्यक्ति के रूप में निर्दिष्ट किया है जिसे उक्त सम्पत्ति का कब्जा दिया जायेगा ;

और यत् उक्त सर्वे श्री जुगल चन्द्र घोष को खोजा नहीं जा सका है और न उनका कोई ऐसा एजेंट अथवा अन्य व्यक्ति है जो उनकी ओर से कब्जा लेने के लिए सशक्त हो ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, श्री अभिताम भट्टाचार्य, एम० ई० ओ०, कलकत्ता सर्कल एतद्वारा घोषित करता हूँ कि उक्त सम्पत्ति को अधिग्रहण से मुक्त किया जाता है ।

## अनुसूची

मौजा- नागदाह	थाना बीजपुर
कंचरापारा,	24 परगना
सी० एस० प्लॉट न०	एरिया
453 (पी०)	0.04 एकड़

**S.R.O. 89.**—Whereas the property specified in the Schedule hereto annexed was requisitioned by the order of the Collector, 24-Parganas No. LAVIII/14 of 64-65 with effect from 21-5-65 until further order of the Central Government.

And whereas the Central Government have decided that the said property shall be released from requisition.

And whereas, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 6 of the Requisitioning and Acquisition of Immovable Property Act, 1952 (No. XXX of 1952) I Shri Amitava Bhattacharya, MEO, Calcutta Circle being a competent authority under the said Act have specified Sarvashri Jugal Chandra Ghosh, S/o Gopal Chandra Ghosh as the person to whom the possession of the said property shall be given;

And whereas, the said Sarvashri Jugal Chandra Ghosh cannot be found and has no agent or other person empowered to accept delivery on his behalf ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, I, Shri Amitava Bhattacharya, MEO, Calcutta Circle do hereby declare that the said property is released from requisition.

## SCHEDULE

Mouza-Nagdah.—P S Bijpur  
Kanchrapara, 24-Parganas.

C. S. Plot No.	Area
453(P)	0.04 Acres

का० नि० ब्रा० 90.—यत् इससे उपाबद्ध अनुसूची में निर्दिष्ट सम्पत्ति का 24-परगना के कलेक्टर के आदेश सं एन ए VIII/14/64-65 का के अन्तर्गत 21-5-65 से, केन्द्रीय सरकार के और आगे आदेश होने तक के लिये अधिग्रहण कर लिया गया था ;

और यत् केन्द्रीय सरकार ने विनिश्चय किया है कि उक्त सम्पत्ति को अधिग्रहण से मुक्त कर दिया जायेगा ;

और यत् अबल सम्पत्ति अधिग्रहण एव अर्जन अधिनियम, 1952 (1952 का 30वां) की धारा 6 की उपधारा (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैंने अर्थात् श्री अभिताम भट्टाचार्य, एम० ई० ओ०, कलकत्ता सर्कल, ने उक्त अधिनियम के अधीन मक्षम प्राधिकारी होने के नाते, सर्वे श्री भगीरथ दास व भुवन चन्द्र दास सुपुत्र महेश चन्द्र दास को ऐसे व्यक्ति के रूप में निर्दिष्ट किया है जिसे उक्त सम्पत्ति का कब्जा दिया जायेगा ;

और यत् उक्त सर्वे श्री भगीरथ दास व भुवन चन्द्र दास को खोजा नहीं जा सका है और न उनका कोई ऐसा एजेंट अथवा अन्य व्यक्ति है जो उनकी ओर से कब्जा लेने के लिए सशक्त हो ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं श्री अभिताम भट्टाचार्य, एम० ई० ओ०, कलकत्ता सर्कल, एतद्वारा घोषित करता हूँ कि उक्त सम्पत्ति को अधिग्रहण से मुक्त किया जाता है ।

## अनुसूची

मौजा- नागदाह	थाना-बीजपुर
कंचरापारा	24 परगना
सी० एस० प्लॉट न०	एरिया
467 (पी०)	0.13 एकड़

**S.R.O. 90.**—Whereas the property specified in the Schedule hereto annexed was requisitioned by the order of the Collector, 24-Parganas No. LAVIII/14 of 64-65 with effect from 21-5-1965 until further order of the Central Government.

And whereas the Central Government have decided that the said property shall be released from requisition.

And whereas, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 6 of the Requisitioning and Acquisition of Immovable Property Act, 1952 (No. XXX of 1952) I Shri Amitava Bhattacharya, MEO, Calcutta Circle being a competent authority under the said Act have specified Sarvashri Bhagirath Das and Bhuvan Chandra Das S/o Mahesh Chandra Das as the person to whom the possession of the said property shall be given ;

And, whereas, the said Sarvashri Bhagirath Das and Bhuvan Chandra Das cannot be found and has no agent or other person empowered to accept delivery on his behalf ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, I Shri Amitava Bhattacharya, MEO, Calcutta Circle do hereby declare that the said property is released from requisition.

## SCHEDULE

Mouza-Nagdah, P S Bijnur  
Kanchiapata, 24, Parganas

C. S. Plot No.  
467(P)  
Area  
0 13 Acres

का० नि० प्रा० 91.—यत इससे उपाखण्ड अनुसूची में निर्दिष्ट सम्पत्ति का 24-परगना के कलक्टर के आदेश न० ए० ए० VIII/14/64-65 के अन्तर्गत 21-5-65 में, केन्द्रीय सरकार के और आगे आदेश होने तक के लिये अधिग्रहण कर लिया गया था,

और यत केन्द्रीय सरकार ने विनिश्चय किया है कि उक्त सम्पत्ति को अधिग्रहण से मुक्त कर दिया जायेगा,

और यत अचल सम्पत्ति अधिग्रहण एवं अर्जन अधिनियम 1952 (1952 का 30वा) की धारा 6 की उपधारा (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मैंने अर्थात् श्री अमिताभ भट्टाचार्य, एम० ई० श्री० कलकत्ता सर्कल, ने उक्त अधिनियम के अधीन मक्षम प्राधिकारी होने के नाते, सर्वश्री अखिल बन्धु डे सुपुत्र कृष्ण चन्द्र डे को ऐसे व्यक्ति के रूप में निर्दिष्ट किया है जिसे उक्त सम्पत्ति का कब्जा दिया जायेगा,

और यत उक्त अखिल बन्धु डे को खोजा नहीं जा सका है और न उनका कोई ऐसा एजेंट अथवा अन्य व्यक्ति है जो उनकी ओर से कब्जा लेने के लिए सक्षम हो,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, श्री अमिताभ भट्टाचार्य, एम० ई० श्री०, कलकत्ता सर्कल, एतद्वारा घोषित करता हूँ कि उक्त सम्पत्ति को अधिग्रहण से मुक्त किया जाता है।

## अनुसूची

मौजा—मवीब्रती	थाना—बोजपुर
कचरापारा	24 परगना
सी० एम० प्लॉट न०	एरिया
115(पी)	0.01 एकड़

**S.R.O. 91.**—Whereas the property specified in the Schedule hereto annexed was requisitioned by the order of the Collector, 24-Parganas No. I AVIII/14 of 64-65 with effect from 21-5-1965 until further order of the Central Government

And whereas the Central Government have decided that the said property shall be released from requisition

And whereas, in exercise conferred by sub-section (2) of section 6 of the Requisitioning and Acquisition of Immovable Property Act 1952 (No XXX of 1952) I Shri Amitava Bhattacharya MFO, Calcutta Circle being a competent authority under the said Act have specified Sarvashri Akhil Bandhu Dev S/o Krishna Chandra Dev as the person to whom the possession of the said property shall be given;

And whereas the said Sarvashri Akhil Bandhu Dev cannot be found and has no agent or other person empowered to accept delivery on his behalf,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, I Shri Amitava Bhattacharya, MFO, Calcutta Circle do hereby declare that the said property is released from requisition.

## SCHEDULE

Mouza—Satribati, P S—Bijnur  
Kanchiapata, 24, Parganas  
C. S. Plot No.  
115(P)  
Area  
0 01 Acres

का० नि० प्रा० 92.—यत इससे उपाखण्ड अनुसूची में निर्दिष्ट सम्पत्ति का 24-परगना के कलक्टर के आदेश न० ए० ए० VIII/14/64-65 के अन्तर्गत 21-5-65 में, केन्द्रीय सरकार के और आगे आदेश होने तक के लिये अधिग्रहण कर लिया गया था,

और यत केन्द्रीय सरकार ने विनिश्चय किया है कि उक्त सम्पत्ति को अधिग्रहण से मुक्त कर दिया जायेगा।

और यत अचल सम्पत्ति अधिग्रहण एवं अर्जन अधिनियम, 1952 (1952 का 30वा) की धारा 6 की उपधारा (2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मैंने, अर्थात् श्री अमिताभ भट्टाचार्य, एम० ई० श्री०, कलकत्ता सर्कल, ने उक्त अधिनियम के अधीन मक्षम प्राधिकारी होने के नाते, प्राधान, कम्पा-चकला अचल पचायत का ऐसे व्यक्ति के रूप में निर्दिष्ट किया है कि जिसे उक्त सम्पत्ति का कब्जा दिया जायेगा

और यत उक्त प्राधान-कम्पा-चकला अचल पचायत को खोजा नहीं जा सका है और न उनका कोई ऐसा एजेंट अथवा अन्य व्यक्ति है जो उनकी ओर से कब्जा लेने के लिए सक्षम हो,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, श्री अमिताभ भट्टाचार्य, एम० ई० श्री०, कलकत्ता सर्कल, एतद्वारा घोषित करता हूँ कि उक्त सम्पत्ति को अधिग्रहण से मुक्त किया जाता है।

## अनुसूची

मौजा—कम्पा	थाना—बोजपुर
कचरापारा	24 परगना
सी० एम० प्लॉट न०	एरिया
364	0 53 एकड़
	ए० भट्टाचार्य, मिलिट्री एस्टेट्स ऑफिसर, कलकत्ता सर्कल

**S.R.O. 92.**—Whereas the property specified in the Schedule hereto annexed was requisitioned by the order of the Collector, 24-Parganas No. I AVIII/14 of 64-65 with effect from 21-5-1965 until further order of the Central Government

And whereas the Central Government have decided that the said property shall be released from requisition.

And whereas, in exercise conferred by sub-section (2) of section 6 of the Requisitioning and Acquisition of Immovable Property Act, 1952 (No XXX of 1952) I Shri Amitava Bhattacharya MFO, Calcutta Circle being a competent authority under the said Act have specified Sarvashri the Proddhan, Kampa Chakla Anchal Panchayat as the person to whom the possession of the said property shall be given,

And whereas, the said Sarvashri the Proddhan, Kampa Chakla Anchal Panchayat cannot be found and has no agent or other person empowered to accept delivery on his behalf;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, I Shri Amitava Bhattacharya, MFO, Calcutta Circle do hereby declare that the said property is released from requisition.

## SCHEDULE

Mouza—Kampa, P. S.—Bijpur  
Kanchrapara, 24-Parganas  
C. S. Plot No.  
364  
Area  
0.53 Acres

A. BHATTACHARYA, Military Estates Officer,  
Calcutta Circle

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1975

का० नि० आ० 93.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उनको समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति सशस्त्रबल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम 1970 को और आगे संशोधन करने के लिये एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का नाम सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा (तृतीय संशोधन) नियम 1975 है।

(2) वे अगस्त 1972 के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. सशस्त्रबल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम 1970 में,—

(i) नियम 3 के उपनियम (2) में, 'आशुटंकक (स्टेनोग्राफिस्ट)' शब्द के पश्चात्, "और हिन्दी आशुटंकक" शब्द अन्तः स्थापित किए जायेंगे;

(ii) नियम 9क में,

(क) उप नियम (1) में, खंड (ख) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्—

(ग) व्यक्ति जिनकी, 1 अगस्त 1972 के ठीक पूर्व सशस्त्र बल मुख्यालय और प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट अन्तर सेवा संगठनों के किसी कार्यालय में हिन्दी आशुटंकक के रूप में नियमित रूप से नियुक्ति की गई है,

(ख) उप नियम (2), में,

(1) "खंड (क) और (ख)" पद के स्थान पर, 3 "खंड (क), (ख) और (ग)" पद रखा जायेगा,

(2) द्वितीय परन्तुक में, "उपनियम (1)" पद के स्थान पर, "उप नियम (1) के खंड (क) और (ख)" पद अन्तःस्थापित किया जायेगा।

(3) द्वितीय परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक रखा जायेगा, अर्थात्—

"परन्तु यह और कि उपनियम (1) के खंड (क) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति को सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में सम्मिलित होने या हिन्दी आशुटंकक के उनके विद्यमान पदों पर बने रहने का विकल्प दिया जायेगा, एक बार प्रयोग किया हुआ विकल्प अन्तिम माना जाएगा। ऐसे व्यक्तियों को जो सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में सम्मिलित होने का विकल्प देते हैं उनके द्वारा धरित हिन्दी आशुटंकक के पदों से सम्बद्ध विच्छेद समझा जाएगा और वे उस आधार पर किसी प्रोन्नति के पात्र नहीं रहेंगे। उन व्यक्तियों को जो स्थायी हैं, पदों पर जिसमें कि पुष्टि कर दी गई है, लियन रखने की तब तक अनुज्ञा दी जायेगी जब तक कि वे सशस्त्रबल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में अधिष्ठायी रूप से नियुक्त नहीं हो जाते";

(iii) नियम 18 में, उपनियम (4) (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात्—

"(2) प्रारम्भिक गठन पर नियुक्त आशुलिपिक श्रेणी 3 की उपेक्षता निम्नलिखित रीति से विनियमित की जायेगी :—

(क) नियम 9क के उपनियम (1) के खंड (क) और (ख) में निर्दिष्ट निम्न श्रेणी लिपिक आशुटंकक की दशा में, उनकी परस्पर उपेक्षता सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की निम्न लिपिकों की श्रेणी में उनकी उपेक्षता के निर्देश से नियत की जायेगी;

(ख) हिन्दी आशुटंकक जो नियम 9क के उपनियम (1) के खंड (ग) में निर्दिष्ट है परस्पर हिन्दी आशुटंकक के रूप में उनकी नियुक्ति की तारीख के निर्देश से रखे जायेंगे;

(घ) उक्त दो प्रयोगों के व्यक्तियों की सापेक्षिक उपेक्षता, क्रमशः

(i) उस तारीख के जिससे कि वे सशस्त्रबल मुख्यालय लिपिक सेवा के निम्न श्रेणी लिपिक की श्रेणी में उपेक्षता की गणना करने हैं; और

(ii) हिन्दी आशुटंकक के रूप में नियुक्ति की तारीख के निर्देश से अवधारित की जायेगी। यदि निम्न श्रेणी लिपिक या हिन्दी आशुटंकक के रूप में व्यक्ति की नियुक्ति की तारीख उसी प्रयोग में उसके कनिष्ठ की नियुक्ति की तारीख के परवर्तनी होती है, तो कनिष्ठ की नियुक्ति की तारीख इस प्रयोजन के लिए उपेक्ष की नियुक्ति की तारीख समझी जाएगी।

## स्वस्टीकारक भाषण

सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा (तृतीय संशोधन) नियम 1975 सशस्त्र बल मुख्यालय और अन्तर सेवा संगठनों में आशुटंकक के पद 1-8-1972 में 130-5-160-8-200-र रो०-8-225-र रो०-8-280 र० के वेतनमान में (1-1-1973 से पुनरीक्षित 330-10-380-र० रो०-12-500-र० रो०-15-560 र०) आशुलिपिक श्रेणी 3 के पदों में संपरिवर्तित कर दिए गए हैं और भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सख्या का० नि० आ० 74 तारीख 9 मार्च 1973 के अनुसार उन तारीख से सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में सम्मिलित कर दिए गए हैं। सरकार द्वारा यह विनिश्चय किया गया है कि सशस्त्र बल मुख्यालय और अन्तर सेवा संगठनों में भी हिन्दी आशुटंकक के पद 1-8-1972 से आशुलिपिक श्रेणी 3 के पदों के रूप में संपरिवर्तित कर दिए जाएं और सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में सम्मिलित कर दिया जाए। अतः यह आवश्यक हो गया है कि उक्त संशोधन को भूतलक्षी प्रभाव दिया जाए।

यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त संशोधनों के भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[का० सं० 63156/ ट्रांस/ एम० टी-17 (सी० ए० प्रो०/डीपीसी)]  
पी० एन० मेनन, सहायक मुख्य प्रशासन अधिकारी

New Delhi, the 11th February, 1975

S.R.O. 93.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules further to amend the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service (Third Amendment) Rules, 1975.

\* (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of August, 1972.

2. In the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970,—

(i) in sub-rule (2) of rule 3, after the word "Steno-typists", the words "and Hindi Steno-typists" shall be inserted;

(ii) in rule 9A,—

(a) in sub-rule (1), after clause (b), the following clause shall be inserted, namely :—

"(c) persons who, immediately before the 1st August, 1972, have been regularly appointed as Hindi Steno-typists in any of the Offices of Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations specified in the First Schedule;"

(b) in sub-rule (2),—

(1) for the expression "clause (a) and (b)", the expression "clauses (a), (b) and (c)" shall be substituted;

(2) in the second proviso for the expression "sub-rule (1)", the expression "clauses (a) and (b) of sub-rule (1)" shall be inserted;

(3) after the second proviso, the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided also that persons referred to in clause (c) of sub-rule (1) shall be given an option to join the Armed Forces Headquarters Steno-graphers' Service or to continue in their existing posts of Hindi Steno-typists. The option once exercised will be treated as final. Such of them as opt to join the Armed Forces Headquarters Steno-graphers' Service shall be deemed to have severed their connection with the posts of Hindi Steno-typists, held by them and cease to be eligible for any promotions on that basis. Those who are permanent shall be allowed to retain a lien on the posts in which they have been confirmed till they are appointed substantively in the Armed Forces Headquarters Steno-graphers' Service";

(iii) in rule 18, for sub-rule (4)(2), the following shall be substituted, namely :—

"(2) The seniority of Stenographers Grade III appointed at the initial constitution shall be regulated in the following manner :—

(a) In the case of Lower Division Clerk Steno-typists, referred to in clauses (a) and (b) of sub-rule (1) of rule 9A, their inter se seniority shall be fixed with reference to their seniority in Lower Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service;

(b) Hindi Steno-typists, referred to in clause (c) of sub-rule (1) of rule 9A, shall be arranged inter se with reference to their dates of appointment as Hindi Steno-typists;

(c) the relative seniority of the persons belonging to the above two categories shall be determined with reference to (i) the date from which they count seniority in the Lower Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service and (ii) the date of appointment as Hindi Steno-typists, respectively. If the date of appointment of a person as Lower Division Clerk or Hindi Steno-typist is later than the date of appointment of his junior in the same category, date of appointment of the junior shall be deemed to be the date of appointment of the senior for this purpose."

[File No 63156/Trans/MT-17(CAO/DPC)]

P. N. MENON, Assistant Chief Administrative Officer

## EXPLANATORY MEMORANDUM

### THE ARMED FORCES HEADQUARTERS

#### STENOGRAPHERS' SERVICE (THIRD AMENDMENT) RULES, 1975

The posts of Steno-typists in Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations have been converted with effect from 1-8-1972 into posts of Stenographers Grade III in the scale of Rs. 130—5—160—8—200—EB—8—256—EB—8—290 (revised to Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560 with effect from 1-1-1973) and included in the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service from that date vide Government of India in the Ministry of Defence Notification No. S.R.O. 74 dated the 9th March, 1973. It has been decided by Government that the posts of Hindi Steno-typists in Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations should also be converted into posts of Stenographers Grade III with effect from 1-8-1972 and included in the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service. It has, therefore, become necessary to give retrospective effect from 1-8-1972 to the above amendments.

It is certified that the interests of no one would be prejudicially affected by giving retrospective effect to the above amendments.

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1975

क्र० नि० प्रा० 94—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उप धारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार पत्रद्वारा अधिसूचित करती है कि श्री राजकुमार सिंह छावनी बोर्ड, फतेहगढ़ के धार्ड नं० 5 से सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं।

[फाइल नं० 29/66 सी०/एल० एड सी०/66/413-सी०/डी० क्यू० एड सी०]

एन० वी० स्वामीनाथन, अवर सचिव

New Delhi, the 14th February, 1975

S.R.O. 94—In pursuance of sub section (7) of section 13 of the Cantonments Act 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies the election of Shri Raj Kumar Singh from Ward No V in Fatehgarh Cantonment

[F No 29/66/C/1 & C/66/413-C/D]

N. V. SWAMINATHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1975

क्र० नि० प्रा० 95—नौसेना अधिनियम, 1957 (1957 का 62) की धारा 184 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार नौसेना (पेशन) विनियम, 1964 में और सशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्—

1 सशिव नाम और प्रारम्भ (1) इन विनियमों का नाम नौसेना (पेशन) द्वितीय सशोधन विनियम 1975 है।

(2) ये विनियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का प्रवृत्त होंगे।

2 नए विनियम 5 के अन्तर्गत स्थापित नौसेना (पेशन) विनियम, 1964 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त विनियम कहा गया है) में, विनियम 5 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अन्तर्स्थापित किया जायेगा, अर्थात्—

“5क पेशन में कटौती करना पेशन में कटौती, यदि इन विनियमों के अधीन की जाए, केवल पूर्ण रूपों में की जाएगी ताकि कटौती करने के पश्चात् भी परिणामी पेशन पूर्ण रूपों में दी जा सके।”

3. विनियम 54 का संशोधन—उक्त विनियमों के विनियम 54 में, “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के स्थान पर, “नक्षम प्राधिकारी” शब्द रखे जाएंगे।

4. विनियम 79 का संशोधन—उक्त विनियमों के विनियम 79 में, उपविनियम (1) में, खंड (iii) का लोप कर दिया जाएगा।

5. विनियम 160 का प्रतिस्थापन—उक्त विनियमों के विनियम 160 के स्थान पर, निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

160 पेशनों और उपदानों को पूर्णांकित करना

- (1) अंतिम रूप से सगणित पेशन की रकम, और पूर्वानुमानित पेशन की रकम अगले उच्चतर रूपों में पूर्णांकित की जाएगी।
- (2) उपदान पांच पैसे के निकटतम गुणज तक सगणित किए जायेंगे अर्थात् जहाँ ठीक रकम ढाई पैसे या उससे अधिक आती है, वहाँ यह पांच पैसे के अगले उच्चतर गुणज तक ले जाई जाएगी और ढाई पैसे से कम की रकम को छोड़ दिया जाएगा।

- (3) उपविनियम (2) के उपबन्ध पेशन के सरक्षित भाग के पूजीकृत मूल्य के सदाय को भी लागू होंगे।

6. खंड 2 के उपशीर्षक का संशोधन—उक्त विनियमों के भाग 2 के अध्याय 3 में, खंड 1 में के विनियम 163 के पश्चात् खंड 2 और उसके उपशीर्षक के स्थान पर, निम्नलिखित खंड और उपशीर्षक रखे जायेंगे, अर्थात्—

“खंड 2 युद्ध, हवाई दुर्घटनाओं या पैराशूट द्वारा कूदने में या मित्रिय शासन की सहायता में नियोजन के दौरान हुई मृत्यु की दशा में कुटुम्ब उपदान के शीघ्र सदाय और कुटुम्ब पेशन दावों को अंतिम रूप देने के लिए प्रक्रिया”

7. विनियम 164 का संशोधन—उक्त विनियमों के विनियम 164 में, “हवाई दुर्घटनाओं या पैराशूट के कूदने से” शब्दों के स्थान पर, निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे, अर्थात्—

“युद्ध में, युद्ध में हुए धावों से, हवाई दुर्घटनाओं या पैराशूट से कूदने या मित्रिय शासन की सहायता में नियोजन के दौरान”

8. विनियम 165 का संशोधन—उक्त विनियमों के विनियम 165 में (1) उपविनियम (1) में, दो स्थानों पर आए, “सैनिक वायुयान” शब्दों के स्थान पर, “वायुयान” शब्द रखा जाएगा।

(2) उपविनियम (3) का लोप कर दिया जाएगा।

9. विनियम 166 का संशोधन—उक्त विनियमों के विनियम 166 में, उपविनियम (2) में खंड (ii) में “निम्नलिखित सूचना” शब्दों से प्रारम्भ होने वाले और “केन्द्रीय सरकार द्वारा बहन किये जायेंगे” शब्दों के साथ समाप्त होने वाले पैरा के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात्—

‘मनी आर्डर प्राप्त के बाद टिप्पण में निम्नलिखित में से कोई एक सूचना अभिलिखित की जाएगी—

- (1) हवाई दुर्घटनाओं या पैराशूट के कूदने में मृत्यु के मामले ‘आपके’ (यहाँ मृत व्यक्ति की नातेदारी, उसका रक और नाम लिखें) की मृत्यु के परिणामस्वरूप, जब तक

आवश्यक पूछताछ और जांच-पड़ताल पूरी नहीं होती और स्वर्गीय . . . . . के बारे में पेशन सम्बन्धी पचाट के लिए आय का ठीक-ठीक हक निर्धारित नहीं होता, . . . . . की राशि इसके साथ अंतिम संदाय के सौर पर कुटुम्ब उपदान के रूप में भेजी जा रही है। अब दी गई रकम, कुटुम्ब पेशन सम्बन्धी पचाट, जो अंतिम रूप से अनुज्ञेय पाया जाए, में समायोजित की जाएगी।

या

युद्ध में, युद्ध में हुए धावों से मृत्यु या मित्रिय शासन की सहायता में हिंसात्मक मृत्यु के मामले

‘आपके’ . . . . . (यहाँ मृत व्यक्ति की नातेदारी, उसका रक और नाम लिखें) की मृत्यु के परिणामस्वरूप . . . . . की राशि इसके साथ कुटुम्ब उपदान के रूप में भेजी जा रही है। यह रकम कुटुम्ब उपदान की अंतिम राशि है और अन्य किसी वारिस को कोई और उपदान देय नहीं होगा, यदि आवश्यक पूछताछ और जांच-पड़ताल के पूरा होने के पश्चात् यह पाया जाता है कि ऐसे किसी वारिस की विशेष कुटुम्ब पेशन अनुज्ञेय है।

टिप्पण—ऐसे प्रेषणों पर हुआ मनीआर्डर वय्य केन्द्रीय सरकार द्वारा बहन किया जाएगा।

10. विनियम 167 का संशोधन—उक्त विनियमों के विनियम 167 में—

- (1) उपविनियम (1) में “पचहत्तर प्रतिशत किया गया” शब्दों का लोप कर दिया जाएगा।
- (2) उपविनियम (2) में “पचहत्तर प्रतिशत” शब्दों का लोप कर दिया जायेगा।

11. विनियम 176 का संशोधन—उक्त विनियमों के विनियम 176 में, उपविनियम (3) में,

- (1) ‘बेस पूर्ति आफोमर’ शब्दों के स्थान पर, “कमोडोर नेवल वीरक” शब्द रखे जाएंगे,
- (2) उपखंड (ख) में, “विशेष कुटुम्ब पेशन के लिए आदाता की अपात्रता के संबंध में” शब्दों के स्थान पर, निम्नलिखित शब्द रखे जायेंगे, अर्थात्—

“आदाता की मृत्यु या विशेष कुटुम्ब पेशन के लिए उसकी अपात्रता के संबंध में”

12. विनियम 177 का संशोधन—उक्त विनियमों के विनियम 177 में, खंड (ख) में, उपखंड (i) के स्थान पर, निम्नलिखित उपखंड रखा जाएगा, अर्थात्—

“(1) यदि दावा नामजूर कर दिया गया हो, तो जांच-पड़ताल के रूप में सदाय रकम निम्न प्रकार समायोजित की जाएगी।

(क) यदि विधवा को दी गई है तो वह विनियम 142 के अधीन उसे अनुज्ञेय कुटुम्ब पेशन या उपदान के पचाट में से समायोजित की जाएगी।

(ख) यदि विधवा से भिन्न किसी अन्य ऐसे वारिस का दी गई है जो जीवित है और विनियम 142 के अधीन पेशन या उपदान के किसी पचाट के अनुदान किए जाने के लिए पात्र है, तो

मामला जाँच-बित्त-पचाट के निगमनिष्पन्न के सम्बन्ध में आदेश के लिए, केन्द्रीय सरकार का निर्देशित किया जाएगा।

(ग) अन्य मामला में कोई बसूली नहीं की जाएगी।”

13 नए विनियम 179 क का अन्तःस्थापन उक्त विनियमों के विनियम 179 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“179-क पेशन का अन्तरण (i) अन्यथा विनिर्दिष्ट उप-बन्धित के सिवाय, पेशन भारत में रूपों में ही जाएगी। उन पेशन-भोगियों को पेशनों का भारत के बाहर अन्तरण, जो 21 अगस्त, 1959 का या उसके पश्चात् सेवानिवृत्त हुए थे या जो 21 अगस्त, 1959 से पहले सेवानिवृत्त हुए थे, किन्तु उस तारीख से पहले भारत से बाहर उमने और उसके आश्रितों में निवास करना शुरू नहीं किया था, केन्द्रीय सरकार के पूर्ण अनुमोदन के बिना अनुज्ञेय नहीं होगा।

(2) वह विदेशी पेशन-भोगी (नागरिकता के आधार पर अभागीय न कि केवल राष्ट्रीयता के आधार पर) जो अपनी सेवानिवृत्ति के समय भारत से भिन्न किसी अन्य देश का नागरिक हो और जिसने 10 सितम्बर, 1949 से पहले सत्रा में प्रवेश किया था और जो भारत से बाहर किसी अन्य देश में निवास करता हो, अपनी पेशन का भारत से वापस अन्तरण करवाने का पात्र होगा।

(3) रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) या समुक्त पेशन सचिवरक आफिमर, आवेदन किए जाने पर और पर्याप्त हेतुक दक्षित किए जाने पर, भारत में एक आस्थान से दूसरे आस्थान को पेशन के सदाय का अन्तरण अनुज्ञा कर सकेगा।”

14 विनियम 182 और 185 का लोप करना—उक्त विनियमों के विनियम 182 और 185 का लोप कर दिया जाएगा।

15 विनियम 187 का संशोधन—उक्त विनियमों के विनियम 187 में उपविनियम (2) के खंड (1) में, “खजानो” शब्द के पश्चात्, “या पेशन सदाय मास्टर” अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

16 विनियम 189 का संशोधन—उक्त विनियमों के विनियम 189 में—(1) उपविनियम (1) क अन्त में, निम्नलिखित स्पष्टीकरण अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“स्पष्टीकरण—सहिला पेशन-भोगियों और ऐसे पेशन-भोगियों के सिवाय, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विशेषतः छूट-प्राप्त है, सेवा या निर्योग्यता पेशन-भोगी, अतिरिक्त पूर्वापार के रूप में, रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) द्वारा पेशन सचिवरक आफिमर को भेजे गये उनके फोटो के प्रतिनिर्देशित से पहचाने जाएंगे।”

(2) उपविनियम (3) के अन्त में, निम्नलिखित स्पष्टीकरण अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“स्पष्टीकरण—पेवा निवृत्त आयुक्त आफिमर पेशन बिल प्रारूप (आई ए एफ ए—319) में के जीवन्तता प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर कर सकेगा।”

17 विनियम 191 का संशोधन—उक्त विनियमों के विनियम 194 में—

(1) उपविनियम (3) में, यदि उपविनियम (2) में निर्दिष्ट जीवन्तता प्रमाणपत्र शब्दों के पश्चात् “किसी सेवानिवृत्त राजपत्रित आफिमर पेशन-भोगी” शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे,

(2) उपविनियम (4) में, “नेपाल में भारतीय पतावास” शब्दों से प्रारम्भ होने वाले और “जीवन्तता प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए अप्रेषित की जाएगी।” शब्दों से समाप्त होने वाले तृतीय और चतुर्थ पैरा के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“सर्विक्रम या भूटान स्थित राजनीतिक आफिमर ऐसे सभी पेशन-भोगियों के लिए जो उन देशों में निवास कर रहे हों, यथास्थित मित्रिक्रम या भूटान सरकार से वर्ष में एक बार एक जीवन्तता प्रमाणपत्र प्राप्त करेगा। नेपाल में निवास करने वाले गोरखा सैनिक पेशन-भोगी, दो पुरुष सैनिक पेशन-भोगियों द्वारा हस्ताक्षरित और नेपाल सरकार के किसी आफिसर प्रति-हस्ताक्षरित जीवन्तता प्रमाणपत्र प्रति वर्ष देने के लिए, स्वयं उत्तरदायी होंगे।

18 विनियम 195 का संशोधन—उक्त विनियमों के विनियम 195 में खंड (ड) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अन्तःस्थापित किया जाएगा अर्थात् —

“(च) यदि कोई पेशन-भोगी किसी विदेशी न्यायालय (जिसके अन्तर्गत नेपाल का न्यायालय भी है) द्वारा सिद्धोप ठहराया गया हो या अराजनीतिक प्रवृत्ति के चोर अपराधों के लिए भारत में बाहर किसी जेल में बन्द किया गया हो, तो उसका मामला पेशन की कटौती समपहरण या प्रत्यावर्तन करने के प्रश्न के विनिश्चय के लिए रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) की मार्फत सरकार का निर्देशित किया जाएगा।”

19. नए विनियम 200 क का अन्तःस्थापन—उक्त विनियमों के विनियम 200 के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“200 क मनी आर्डर द्वारा किये गए उपदानों के भुगतान पर मनी आर्डर फीस—इन विनियमों के अधीन अनुज्ञेय उपदानों के प्रेषण पर मनी आर्डर फीस केन्द्रीय सरकार द्वारा यत्न की जाएगी”

20. विनियम 208 का संशोधन—उक्त विनियमों के विनियम 208 में उपविनियम (2) के पश्चात्, निम्नलिखित उपविनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“(3) किसी नौमैनिक के विरुद्ध कोई सरकारी दावा उसके द्वारा गोप्य कोई गैर-सरकारी निधि ऋण या कोई गैर-सरकारी निधि दावा जिस उससे वसूल करने के लिए केन्द्रीय सरकार निर्दिष्ट करे, विनियम 142 के अधीन उसकी विधवा को अनुज्ञेय उपदान में वसूल किया जाएगा।

21 विनियम 211 का प्रतिस्थापन—उक्त विनियमों के विनियम 211 में, स्थान पर, निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात् —

“211 पेशन के अधिक सदाय को बट्टेखाने में डालने की और लेखा परीक्षा आपत्तियों के ग्रहणजन्य की रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) और उसके स्थापन के आफिसरों की शक्तियाँ—

(1) पेशन के अधिक सदाय जो विधि में किसी गलती (जिसके अन्तर्गत विनियमों और आवेदों का उपनिर्वचन भी है) के कारण नहीं हुए हैं, और जो किसी कारण से अशोध्य हैं, दो सौ पचास रु० में अधिक की राशि तक रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) द्वारा या समुक्त रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) द्वारा यदि वह स्वयं भार्याधिक हो, बट्टेखाने में डाले जा सकते हैं।

(2) अपेक्षित अनावश्यक मर्गों पर समय और कष्ट बचाने के लिए, रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) या सम्पूत रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) यदि वह स्वतंत्र भारमाधक हो, अपने विवेकानुसार, जब उसका युक्तियुक्तन समाधान हो जाता है कि, मामले के तथ्यों का ध्यान में रखते हुए, ऐसा करना केन्द्रीय सरकार के सर्वोत्तम हित में है, प्रत्येक मामले में एक सौ पञ्चम रुपये की सीमा तक पेंशन के सदाय से सम्बन्ध किसी लेखा-परीक्षा-आपत्ति का अधित्यजन कर सकेगा, ऐसी परिस्थितियों के, जो उसकी राय में ऐसे अधित्यजन की न्यायोचित ठहरती है, सक्षिप्त कारण लेखबद्ध किए जाएंगे। इसी प्रकार सम्पूत रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) प्रत्येक मामले में पञ्चदश रुपये की सीमा तक किसी लेखापरीक्षा आपत्ति का अधित्यजन कर सकेगा। उप रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) पञ्चम रुपये की सीमा तक वैसी ही शक्तियों का प्रयोग कर सकेगा और महा-यक रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) या किसी अनुभाग का भारमाधक राजपत्रित अधिकारी वैसी ही परिस्थितियों में पञ्चम रुपये की सीमा तक वैसी ही शक्तियों का प्रयोग कर सकेगा।

(3) ऐसे मामलों में जहाँ सम्पूर्ण व्यय या उसका कोई भाग, जो अपने आप में अनुचित न हो, ठीक प्रकार से नियम या प्राधिकार के अन्तर्गत नहीं आता क्योंकि व्यय अयोग्य है, या इस बात का सूरा सबूत कि व्यय उपगत किया गया है, नहीं दिया गया है, जैसे एक या अधिक उप बाऊचरों का न होना, रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) या सम्पूत रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) यदि वह स्वतंत्र भारमाधक हो, प्रत्येक मामले में दो सौ पञ्चम रुपये की सीमा तक किसी लेखापरीक्षा आपत्ति का अधित्यजन कर सकेगा। परन्तु—

- (i) व्यय आस्थानिक आवासीय प्रकृति का नहीं है।
- (ii) जहाँ आपत्ति मजूरी की अपयोज्यता पर आधारित हो वहाँ उसका समाधान हो जाए कि व्यय संजूर करने के लिए सक्षम अधिकारी, यदि अपेक्षित शुद्धा तो मजूरी दे देगा, या
- (iii) जहाँ आपत्ति संदाय के प्रमाण अपयोज्य पर आधारित हो वहाँ उसकी राय हो कि यदि उपगत किए गए व्यय का पूरा सबूत पेश करने के लिए विवश किया जाए तो अनावश्यक कठिनाई होगी और उसे इस में कोई संदेह नहीं है कि संदाय वास्तव में कर दिया गया है।

22. नए विनियम 212 क का अन्तःस्थापन:—उक्त विनियमों के विनियम 212 के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“212क किसी ऐसे पेंशन भोगी से जो अपनी अशक्तता प्रकट किए बिना पुन नियोजित या पुन अभ्यावेशित कर लिया गया हो से निःशक्तता पेंशन की वसूली किसी ऐसे पेंशन भोगी को, जो यह प्रकट किए बिना कि वह सेवा के लिए अशक्त ठहरा दिया गया था पुन. नियोजित या पुन. अभ्यावेशित कर लिया गया हो. ऐसे पुन. नियोजन या पुन. अभ्यावेशन की तारीख के पश्चात् की गई निःशक्तता पेंशन का किया गया कोई संवाय निम्न प्रकार बसूल किया जाएगा:—

(क) यदि वह प्रभावी सूची पर हो तो उसके वेतन और भत्तों में से और

(ख) यदि वह असमर्थ हो, तो उसके पुन: नियोजन या पुनः अभ्यावेशन की समाप्ति पर संजूर की गई निःशक्तता पेंशन के नए पचाट, यदि कोई हो, में से।”

23 अध्याय 7 के शीर्षक का संशोधन:—उक्त विनियमों के विनियम 214 के पश्चात्, अध्याय 7 के शीर्षक में, —

- (1) ‘आफिसरो’ शब्द का खोप कर दिया जाएगा
- (2) इस प्रकार संशोधित शीर्षक के नीचे, निम्नलिखित नया उप-शीर्षक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“खंड 1—आफिसर”

24 विनियम 216 का संशोधन:—उक्त विनियमों के विनियम 216 में,—

- (1) उपविनियम (i) में, खण्ड (ii) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(ii) यदि भारत के बाहर हो तो वह सम्पूत भारतीय मिशन और रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) भारत सरकार के रक्षा मन्त्रालय के मार्फत/सचिव को किया जाएगा।”

- (2) उपविनियम (5) के पश्चात् निम्नलिखित उपविनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(6) यदि आवेदक भारत के बाहर निवास कर रहा हो तो सम्पूत भारतीय मिशन, देश के किसी स्टेशन पर जो आवेदक और मिशन को सुविधाजनक हो, चिकित्सा बोर्ड की व्यवस्था करेगा। चिकित्सा बोर्ड की सरचना का विनिश्चय मिशन द्वारा किया जाएगा।”

25. विनियम 217 का संशोधन:—उक्त विनियमों के विनियम 217 में.

- (1) हाशिया शीर्षक में आए “भारत में” शब्दों का खोप कर दिया जाएगा,
- (2) उपविनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उपविनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(3) भारत के बाहर निवास करने वाले पेंशन-भोगियों के लिए चिकित्सा बोर्ड:—चिकित्सा बोर्ड के लिए पूरी आवश्यक फीस आवेदक द्वारा भारतीय मिशन में जमा की जाएगी जो चिकित्सा बोर्ड के सदस्यों को सदाय की व्यवस्था करेगा। पेंशन-भोगी बोर्ड की फीस का सदाय भारत मिशन द्वारा उस देश में नियत दर के अनुसार करेगा।”

26. विनियम 219 का संशोधन:—उक्त विनियमों का विनियम 219 में, उपविनियम (2) के स्थान पर, निम्नलिखित उप-विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(2) पूजीकृत मूल्य निम्न प्रकार दिया जाएगा:—

- (i) भारत में निवास करने वाले पेंशन-भोगी और भारत से बाहर निवास करने वाले पेंशन-भोगी जिन्हें भारत के बाहर अपनी पेंशन प्राप्त करने की अनुज्ञा नहीं दी गई है —पूजीकृत मूल्य भारत में देय होगा किन्तु भारत के बाहर निवास करने वाले पेंशन-भोगी सम्पूत विदेश को उसके भेजने के लिए अपनी निजी व्यवस्था करेंगे।



- (ii) भारत के बाहर निवास करने वाले पेंशन-भोगी जिनके विदेश में अपनी पेंशन प्राप्त करने की अनुज्ञा दी गई है—एजेंडा मूल का सदाय आरम्भिक मिशन की मार्केट किया जाएगा।

27 विनियम 222 का प्रतिस्थापन.—उक्त विनियमों के विनियम 222 के स्थान पर, निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

“222 पूर्वानुमानित या अनतिम पेंशन का सराशीकरण.—आफिसर अपनी पेंशन के सराशीकरण के लिए किसी ऐसे आवेदक से, जिनने अपनी पेंशन की अधिकतम रकम के सराशीकरण का अपना आशय साफ-साफ बता दिया है या अधिकतम अनुज्ञेय सीमा के भीतर पूरी और अंतिम पेंशन के भाग या प्रतिशत भाग के रूप में सराशित की जाने वाली प्रस्तावित रकम अभिव्यक्त की है और जिसे पूर्वानुमानित या अनतिम पेंशन के ऐसे भाग या प्रतिशत भाग के सराशीकरण के लिए अनुज्ञा दी गई है, न तो फिर से आवेदन करने की ओर न अंतिम पेंशन और पूर्वानुमानित पेंशन या अनतिम पेंशन के भाग या प्रतिशत भाग के बीच के अंतर के सराशीकरण के लिए स्वास्थ्य परीक्षा का नया प्रमाणपत्र पेश करने की अपेक्षा की जाएगी। बल्कि ऐसे मामलों में सराशीकरण दो किस्ती से—पहली किस्त पूर्वानुमानित या अनतिम पेंशन में से और दूसरी किस्त पेंशन के अंतिम निर्धारण के पश्चात्-देय है, इस लिए रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) से रिपोर्ट दो बार मगवाई जाएगी। सराशी-कृत मूल्य अर्थात् प्रोव्यूत अधिकतम मूल्य ऋण अनतिम सराशीकृत मूल्य के लिए अन्तर के लिए सक्षम प्राधिकारी की नहीं मजूरी आवश्यक होगी। ऐसे मामलों में, ऐसा सराशीकरण जो अंतिम रूप से मंजूर किया जाए, पूर्वानुमानित या अनतिम पेंशन के मूल सराशीकरण की तारीख से प्रभावी होगा और अवशिष्ट पेंशन की रकम भी उसी तारीख से पुनः समायोजित की जाएगी।”

28 नए उपशीर्षक और विनियम 223 से 232 तक की अन्त-स्थापन.—उक्त विनियमों के विनियम 222 के पश्चात् निम्नलिखित उप-शीर्षक और विनियम अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्—

खण्ड 2—नौसैनिक जिनके अन्तर्गत ऐसे मास्टर मुख्य पेटी आफिसर भी हैं जिन्हें अवैतनिक आयोप अनुदान किए गए हो और छल्प सेवा आयु-न्त आफिसर (भूतपूर्व नौसैनिक)

223. सराशीकरण के लिए आयु —(1) सराशीकरण के प्रयोजन के लिए जन्म की तारीख के सबूत के रूप में निम्नलिखित मूल दस्तावेज स्वीकार किए जाएंगे, अर्थात्—

- (i) मैट्रिकुलेशन प्रमाणपत्र या माध्यमिक स्कूल छोड़ने का प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समतुल्य माना गया प्रमाणपत्र, या
- (ii) समुचित प्राधिकारी द्वारा सम्यक रूप से प्रमाणित नगरपालिक जन्म प्रमाणपत्र या नगर-पालिक जन्म रजिस्टर से उद्धरण या
- (iii) स्कूल या स्कूलों के, जिनमें आवेदक ने शिक्षा प्राप्त की थी, रजिस्ट्रो में प्रवेश के अभिलेख और विभिन्न कालिक स्कूल परीक्षाओं में आवेदक की आयु का अभिलेख।

(2) जहां उपविनियम (1) द्वारा यथा प्रपेक्षित दस्तावेजी साक्ष्य प्राप्त नहीं है, वहां जन्म की तारीख अभ्यावेदन प्रारूप में दी गई निर्धारित दृश्यमान आयु के सर्वाधिक से स्थापित की जाएगी। ऐसे मामलों में जन्म की तारीख की गणना करने के प्रयोजनों के लिए यह माना जाएगा कि उक्त व्यक्ति ने अभ्यावेदन की तारीख को निर्धारित दृश्यमान आयु पूरी कर ली है, जैसे यदि कोई व्यक्ति एक अगस्त, 1937 को अभ्यावेदन किया गया हो और यदि उस तारीख को उसकी आयु सत्रह वर्ष निर्धारित की गई हो तो उसकी जन्म की तारीख 1 अगस्त, 1920 मानी जाएगी। जिन मामलों में किसी व्यक्ति के जन्म का वर्ष और मास ज्ञात हो किन्तु वास्तविक तारीख ज्ञात नहीं हो तो उक्त मामलों में उस मास की सोलह तारीख वास्तविक तारीख के रूप में मानी जाएगी।

स्पष्टीकरण.—पेंशन-भोगी उच्चतर परस्पर पूर्विकता के अन्य सबूत को अप्राप्तता को प्रमाणित किए बिना अपनी आयु के सबूत के रूप में उपरोक्त दस्तावेजों में से किसी को भेज सकेगा।

224 आवेदन का भेजा जाना —(1) अपनी पेंशन के किसी भाग के सराशीकरण का इच्छुक कोई व्यक्ति अपनी पायपोर्ट साइज फोटो को सम्पत्तः अनुप्रमाणित, दो प्रतियों के साथ एक प्रति आवेदन-प्रारूप के समुचित स्थान पर बिपकाई जाएगी और अन्य प्रति प्रेष के साथ संसन् की जाएगी। परिशिष्ट 8 में विनिर्दिष्ट प्रारूप 28 में निम्न प्रकार आवेदन करेगा—

(i) यदि वह अब भी सेवा में हो या निवृत्त हो चुका हो किन्तु उसकी पेंशन अभी मंजूर नहीं की गई है, तो वह कमोन्डोर नैवल बैरक के माध्यम से रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) को आवेदन करेगा।

(ii) भारत से बाहर निवास करने वाले पेंशन-भोगियों की वशा में आवेदन देने की प्रक्रिया और चिकित्सीय परीक्षा के लिए व्यवस्थाएं वे होंगी जो विनियम 216 में अधिकृत की गई हैं।

(iii) यदि वह पेंशन प्राप्त कर रहा हो तो वह सम्पत्तः पेंशन संबितरक आफिसर के माध्यम से रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) को आवेदन करेगा जो रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) को आवेदन पत्र भेजते समय उक्त प्रारूप के भाग 1 में के प्रमाण 'ख' को पूरा करेगा और इन बारे में भी सूचना देगा कि क्या प्रसंगत पेंशन किसी त्रिलगम रहित है।

(2) यह सुनिश्चित करने के लिए कि विनिर्दिष्ट आयु के लिए दी गई दर पर संवय किया गया है, यह आवश्यक है कि पेंशन के सराशीकरण का आवेदन, आवेदक के ऐसी आयु प्राप्त करने के कम से कम दो मास पूर्व, रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) के कार्यालय में प्रेषण पंहुच जाय।

225 पेंशन के सराशीकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) द्वारा कार्यवाही:—पेंशन के सराशीकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), उस व्यक्ति को उस संश-सित मूल्य की सूचना देगा जो उसे, अंतिम प्रत्याशित आयु वाला पाया-जाने की वशा में, देय होगा और रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) के पत्र की तारीख से तीन मास के भीतर और यदि सराशीकरण के लिए आवे-दन सेवा निवृत्त या सेवान्मुक्ति की तारीख के पूर्व कर दिया गया हो तो उस तारीख के तीन मास के भीतर किन्तु किसी भी वशा में सेवा निवृत्ति या सेवान्मुक्ति की वास्तविक तारीख के पहले नहीं, विनिर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष चिकित्सीय परीक्षा के लिए उपस्थित होने के लिए

उसे अनुप्रेष भी देता। यह सूचना पेशन के सराशीकरण की प्रणामनिक मजूरी होगी किन्तु यदि मजूरी-आवेश से विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर चिकित्सीय परीक्षा नहीं हो तो यह खर्ग हो जाएगी। यदि आवेदक चिकित्सीय परीक्षा के लिए विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर विनिर्दिष्ट चिकित्सक प्राधिकारी के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ तो रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) अपने विवेकानुसार पेशन के सराशीकरण के लिए नया आवेदन प्राप्त किए बिना तीन मास की और अवधि के लिए प्रणामनिक मजूरी का नवीकरण कर सकेगा। ऐसे मामलों की, जहाँ आवेदक को चिकित्सीय परीक्षा इस तीन मास की बढ़ाई गई अवधि के पश्चात् की जाती है रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद द्वारा गुणावगुण के आधार पर जांच की जाएगी और प्रणामनिक मजूरी केवल तभी और नवीकृत की जाएगी जब उसका यह समाधान हो जाए कि विलम्ब के लिए आवेदक दोषी नहीं है।

226. पञ्जीकृत मूल्य का सदाय --(1) औसत आयु--यदि चिकित्सीय प्राधिकारी रिपोर्ट करता है कि पेशन-भोगी की औसत प्रत्याशित आयु है तो पहले से ही अधिसूचित पञ्जी-राशि उसे दी जाएगी और उसकी पेशन में से तत्समान कटौती की जाएगी।

(2) हसित आयु --यदि उसकी आयु में बढ़ावारी की सिफारिश की गई हो तो पेशन-भोगी को चिकित्सक प्राधिकारी की सिफारिश और उसके बदले देय सराशित मूल्य रसीवी रजिस्ट्री डाक द्वारा सूचित किया जाएगा। यदि आवेदक उस तारीख से, जिस तारीख को वह सराशीकरण पर देय परिणोदित राशि की समुचना प्राप्त करता है, चौदह दिन की अवधि के भीतर अपना आवेदन लिखित रूप में वापस नहीं लेता तो प्रस्तावित राशि सदन की जाएगी।

(3) व्यक्ति के हस्ताक्षरों का सत्यापन --सराशित मूल्य के सदाय के लिए प्राधिकृत करते समय, रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) पेशन सवितरक आफिसर को परिशिष्ट 8 में विनिर्दिष्ट प्ररूप 30 अंग्रेपित करेगा जिसमें चिकित्सक प्राधिकारी की उपस्थिति में लिए गए हस्ताक्षर होंगे और साथ ही यह अनुदेश होगा कि वे हस्ताक्षर पेशन सदाय आवेश के साथ प्राप्त किए गए हस्ताक्षरों से सत्यापित किए जाने चाहिए।

(4) पेशन का सराशित मूल्य प्राप्त करने से पहले पेशन-भोगी को मृत्यु पर सदाय --यदि किसी पेशन-भोगी की मृत्यु उस तारीख को या के पश्चात् जिस तारीख को सराशीकरण पूर्ण हुआ किन्तु सराशित मूल्य प्राप्त करने से पहले, हो जाए तो इसका मूल्य उसके विधिक वारिणों को दिया जाएगा।

(5) सराशित भाग का अधिविकर्ष करना.--यदि पेशन का सराशित भाग जिस तारीख की सराशीकरण पूर्ण हुआ उस तारीख के पश्चात् लिया गया हो तो ले ली गई राशि संग्रहण पर देय राशि में से काट ली जाएगी।

(6) भारत में या भारत के बाहर सराशित मूल्य का सदाय --भारत में या भारत के बाहर सराशित मूल्य का सदाय विनियम 219 के उपविनियम (2) में विनिर्दिष्ट नीति में विनियमित किया जाएगा।

(7) मजूरी का रद्द किया जाना--यदि आवेदक कोई ऐसा कथन करेगा जिसके सिध्दा होने का उसे ज्ञान है या वह अपनी चिकित्सीय परीक्षा के सम्बन्ध में उससे पूछे गए किसी लिखित या मौलिक, प्रश्न के उत्तर में जानबूझकर किसी तार्किक तथ्य को दबाएगा तो रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) वास्तविक सदाय किये जाने से पहले किसी भी समय मजूरी को रद्द कर सकेगा।

227 गक्षम चिकित्सक प्राधिकारी:--(1) ऐसी पेशन की रकम को सराशीकरण के लिये जो पूर्ववर्ती सराशित राशि को मिलाकर पञ्जीम रूप प्रति मास में अधिक हो जाती है, आवेदक की परीक्षा के लिये सक्षम चिकित्सक प्राधिकारी, सिविल चिकित्सा बोर्ड होगा यदि ऐसे बोर्ड की मजूरी देने वाले प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट अवधि के अन्दर आवेदक के निवास के युक्तियुक्तत निकट किसी स्टेशन पर, आयोजित किये जाने की व्यवस्था की जा सके। ऐसा न हो सकने पर, पुनरीक्षण बोर्ड एक ऐसे चिकित्सा बोर्ड का गठन करेगा जो या तो सिविल प्रशासन के मुख्यालय पर स्थाई चिकित्सा बोर्ड होगा या प्रशासन का उद्येष्ट चिकित्सक आफिसर और उसके द्वारा नाम निर्देशित एक चिकित्सक आफिसर जिसकी हैमियत सिविल सर्जन की हैमियत से कम न हो, होगा। ऐसा कोई प्राधिकारी, उस क्षेत्र के, जिस क्षेत्र में सराशीकरण के लिये आवेदन करते समय आवेदक मामूली तौर से निवास करता है, सिविल सर्जन या जिला चिकित्सक आफिसर द्वारा की गई पेशन-भोगी के स्वास्थ्य और उसकी प्रत्याशित आयु के सम्बन्ध में चिकित्सीय रिपोर्ट का पुनरीक्षण करेगा। परीक्षक आफिसर से कोई सूचना, जो वह ठीक समझे, मगाने के पश्चात् वह अन्तिम आदेश पारित करेगा।

(2) ऐसे आवेदक की दशा में, जो पेशन की उस रकम के सराशीकरण के लिये आवेदन करता है जो पूर्ववर्ती सराशित राशि या राशिया को मिलाकर पञ्जीम रूप या उसमें कम है, सक्षम चिकित्सक प्राधिकारी वह चिकित्सक आफिसर होगा जो उस क्षेत्र के, जिस क्षेत्र में आवेदक मामली तौर से निवास करता है, सिविल सर्जन या जिला चिकित्सक प्राधिकारी की हैमियत से कम का न हो।

(3) यदि उपविनियम (1) या उपविनियम (2) में वर्णित प्राधिकारियों में से किसी द्वारा चिकित्सीय परीक्षा की व्यवस्था करना सम्भव न हो तो रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) सेवा चिकित्सा बोर्ड द्वारा आवेदक की परीक्षा कराने की व्यवस्था कर सकेगा।

(4)(क) यदि आवेदक नेपाल में निवास कर रहा हो और पेशन नेपाल में भारतीय दूतावास के माध्यम से प्राप्त कर रहा हो तो नेपाल में भारतीय दूतावास का चिकित्सक आफिसर सक्षम चिकित्सक प्राधिकारी होगा। अनुविधा से बचने के लिये ऐसे आवेदक को चिकित्सीय परीक्षा, जो नेपाल का निवासी है, नेपाल के केन्द्रीय समन्वय बोर्ड अस्पताल या धनकुड़ा स्थित पडताल चौकी-अस्पताल में की जा सकेगी। ऐसे मामलों में, यदि सराशित रकम पञ्जीम रूप प्रति मास में अधिक हो तो चिकित्सीय रिपोर्ट का पुनरीक्षण भारतीय दूतावास के चिकित्सक आफिसर द्वारा किया जाएगा।

परन्तु यदि धनकुड़ा स्थित पडताल चौकी-अस्पताल का चिकित्सक आफिसर सरकारी कर्मचारी हो तो उसके द्वारा की गई चिकित्सीय परीक्षा की रिपोर्ट ऐसे पुनरीक्षण के अधीन नहीं होगी।

(ख) नेपाल में निवास करने वाले पेशन-भोगी जिन अस्पतालों में चिकित्सीय परीक्षा करा सकेंगे वे निम्नलिखित हैं --

- 1 सैनिक अस्पताल, कुनराधट
- 2 सैनिक अस्पताल, लेबोग
- 3 दूतावास अस्पताल, काठमाण्डू
- केन्द्रीय समन्वय बोर्ड संस्था]
- 4 पश्चिमी खण्ड अस्पताल, पोखरा।
- 5 जिला सिपाही बोर्ड अस्पताल, सियागजा, स० 4 पश्चिम।
- 6 जिला सिपाही बोर्ड अस्पताल, गुलमी (तमगस)
- 7 जिला सिपाही बाई अस्पताल, पियुषन (पश्चिमी नेपाल)

8. जिला सिपाही बोर्ड अस्पताल, भोजपुर (पूर्वी नेपाल)  
 9. जिला सिपाही बोर्ड अस्पताल, तेरथुम (पूर्वी नेपाल)  
 10. पडताल चौकी-अस्पताल, धनकुटा (पूर्वी नेपाल)

(5) ऐसे गोरखा नौसेनिक के लिये, जिसका घर नेपाल में है और जो पेशन स्थापन को स्थानान्तरित होने वाला है, अपनी सर्वोन्मुखी वास्तविक तारीख से कुछ पहले, अपनी पेशन के सराशीकरण के लिये, यदि वह ऐसी वांछा करे आवेदन करना अनुज्ञेय होगा। ऐसे मामले में, उसकी चिकित्सीय परीक्षा, उसकी सेवान्मुक्ति पर उसके पोत या स्थापन को छोड़ने से पहले, जिस स्टेशन पर पोत या स्थापन स्थित है उस स्टेशन के सेवा अस्पताल में की जा सकेगी।

228 रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) के कार्यालय में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया—आवेदक द्वारा सम्पूर्ण रूप से भरे गए परिशिष्ट 8 में विनिर्दिष्ट प्रारूप 28 के भाग 1 में यथा विहित पेशन के सराशीकरण के लिये आवेदन के प्राप्त होने पर, रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) उक्त प्रारूप के भाग 2 का भरेगा और परिशिष्ट 8 में विनिर्दिष्ट प्रारूप 30 की एक प्रति के साथ सम्पूर्ण मुख्य प्रशासन चिकित्सक आफिसर का इसकी मूल प्रति अर्पण करेगा और साथ ही चिकित्सीय परीक्षा की व्यवस्था करने के लिये उस प्रारूप के भाग 3 की एक अतिरिक्त प्रति अर्पण करेगा। ऐसे मामलों में जहां आवेदक को अशक्तता पेशन अनुदत्त की गई हो, या अपनी वास्तविक आयु में वर्षों के बढ़ाने के आधार पर अपनी पेशन का कोई भाग पहले सरापित किया हो (या उसने सराशीकरण स्वीकार करने से इन्कार किया हो), या चिकित्सीय आधारों पर सराशीकरण नामजूर कर दिया गया हो, वहां उपरोक्त प्रारूपों के साथ मामले को पहली चिकित्सा रिपोर्टों या कथनों की प्रतियां भी अर्पण की जानी चाहिये। साथ ही साथ, रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) उक्त प्रारूप 30 की एक प्रति के साथ सम्पूर्ण भरा हुआ, परिशिष्ट 8 में विनिर्दिष्ट प्रारूप 29 आवेदक को अर्पण करेगा जिसका भाग 1 आवेदक द्वारा अपनी चिकित्सीय परीक्षा में पहले भरा जाएगा और मक्षम प्राधिकारी को सौंपा जाएगा।

229 चिकित्सक प्राधिकारी द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया—  
 (1) चिकित्सक प्राधिकारी, परिशिष्ट 8 में विनिर्दिष्ट प्रारूप 30 के भाग 1 में आवेदक से एक कथन (जो उसकी उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया जाए) प्राप्त करने के पश्चात् उसकी कड़ी परीक्षा लेगा, उक्त प्रारूप 30 के भाग 2 में उसके परिणाम दर्ज करेगा और ऐसी यथावर्तता के तारे में अपनी राय अभिलिखित करेगा जिसके साथ पेशन-भोगी ने अपने चिकित्सा-इतिहास और आदता में सम्बन्धित उसके भाग 1 में विहित प्रश्नों के उत्तर दिये हों। वह उक्त प्रारूप 30 के भाग 3 में अर्पणपत्र प्रमाणपत्र को भी भरेगा और पेशन-भोगी के हस्ताक्षर करावण या यदि वह प्रारूप पर हस्ताक्षर करने में असमर्थ हो तो उसके अगूटे और अंगुलियों के निशान लगवाएगा।

(2) ऐसे आवेदक की दशा में जिसे अशक्तता पेशन अनुदत्त की गई है या की जाने वाली है, अशक्त ठहरान के आधारों या चिकित्सीय मामले के कथन पर प्रमाणकर्ता चिकित्सक प्राधिकारी द्वारा परिशिष्ट 8 में विनिर्दिष्ट प्रारूप 30 के भाग 3 में प्रमाणपत्र हस्ताक्षरित करने से पूर्व सम्यक रूप से विचार किया जाएगा।

(3) अन्तिम चिकित्सक प्राधिकारी, बिना किसी विलम्ब के, परिशिष्ट 8 में विनिर्दिष्ट प्रारूप 28 और 30 की भरी हुई मूल प्रति रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) को, और उक्त प्रारूप 30 के भाग 3 की एक प्रमाणित प्रति आवेदक को अर्पण करेगा।

230 चिकित्सीय परीक्षा फीस और सराशीकरण के लिये अस्वीकृत आवेदनों का खालना—(1) यदि परीक्षा एकल चिकित्सक आफिसर द्वारा

की गई हो तो आवेदक स्वयं चिकित्सक आफिसर का विहित सीलह रूप फीस देगा, जिनमें से नकद बारह रूप, सम्पूर्ण चिकित्सक आफिसर द्वारा रख लिये जाएंगे और शेष चार रूप केन्द्रीय सरकार के खाते में जमा कर दिये जाएंगे। यदि उसकी मूलम सिविल चिकित्सा बोर्ड द्वारा परीक्षा की गई हो तो वह चार रूप फीस सरकारी खजाने में जमा करेगा और वह फीस की रसीद तथा रखी जाने वाली और बोर्ड के सदस्यों द्वारा आपस में विभाजित की जाने वाली बारह रूप की अतिरिक्त फीस परीक्षा से पूर्व, बोर्ड का देगा। यदि पेशन-भोगी की परीक्षा सेवा-बोर्ड द्वारा की गई हो तो उसकी पहली परीक्षा के बारे में उसके द्वारा कोई फीस नहीं दी जाएगी।

(2) पेशन-भोगी को चिकित्सीय आधारों पर सराशीकरण करने से इन्कार कर दिये जाने के पश्चात् या उसकी वास्तविक आयु में वर्ष या वर्षों की वृद्धि करने के आधार पर उसके द्वारा सराशीकरण स्वीकार करने से एक बार इन्कार कर देने के पश्चात् यदि उसकी पहली चिकित्सीय परीक्षा हुए कम से कम एक वर्ष बीत चुका है तो वह अपने व्यय पर द्वितीय चिकित्सीय परीक्षा के लिये आवेदन कर सकेगा। ऐसी पुनः परीक्षा नियत रूप से चिकित्सा बोर्ड द्वारा की जाएगी। यदि पुनः परीक्षा सेवा चिकित्सा बोर्ड द्वारा की गई हो तो फीस में का सरकारी भाग अर्थात् चार रूप, रक्षा सेवा प्राकलन में जमा किया जाएगा, और रसीद तथा चिकित्सीय प्रमाणपत्र रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) को अर्पण किए जाएंगे।

(3) यदि चिकित्सक प्राधिकारी की राय में कोई विशेष परीक्षा आवश्यक हो जिसे वह स्वयं करने में समर्थ नहीं है तो वह आवेदक से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह ऐसी परीक्षा अपने व्यय पर करवाए। परीक्षा के परिणाम को ध्यान में लाए बिना, केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे व्यय का प्रतिदाय नहीं किया जाएगा।

(1) भारत के बाहर निवास करने वाले पेशन-भागियों की दशा में यही प्रतियां होगी जो विनियम 217 के उपविनियम (3) में अधिकथित की गई हैं।

231 सराशित मूल्य में से लोक दावों की वसूली—सराशित मुख्य के सदस्य किये जान से पूर्व, रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) यह अभिनिर्णित करेगा कि क्या आवेदक के विशुद्ध कोई लोक दावा बकाया है और उस एकमुष्ट राशि में से जो यदि दावा न होता तो उसको देय होती, ऐसे दावों की राशि काट लेगा। जहां किसी अतिमदाय की पेशन से वसूली की जा रही हो, वहां सराशीकरण के समय असमायोजित रह गई अति-संबल रकम, देय सराशित मूल्य में से एकमुष्ट राशि में वसूल की जाएगी।

232 पूर्वानुमानित या अन्तिम पेशन का सराशीकरण—ऐसे किसी व्यक्ति को, जो अपनी पेशन के एक भाग के सराशीकरण के लिये आवेदन करता है और ऐसा भाग उसे अनुज्ञेय कुल पेशन के प्रतिशत भाग या प्रभाग के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है और जो प्रथमतः उसकी पूर्वानुमानित या अन्तिम पेशन के ऐसे प्रतिशत भाग या प्रभाग के सराशीकरण के लिये अनुज्ञात किया गया है, उसकी पूर्वानुमानित या अन्तिम पेशन से उसकी अन्तिम पेशन के अधिक हान की दशा में, नए चिकित्सा बोर्ड के समक्ष उपस्थित हुए बिना और राशि के सराशित करने के लिये अनुज्ञात किया जाए, जिसमें कि अन्तिम रूप में अनुमानित पेशन की रकम का विनिर्दिष्ट प्रतिशत भाग या प्रभाग, सराशित रकम के धराशर हो जाए। ऐसे मामलों में, अन्तिम रूप से अनुमानित सराशीकरण भी पूर्वानुमानित या अन्तिम पेशन के मूल सराशीकरण की तारीख में प्रभावी होगा और अति-शिष्ट पेशन की रकम भी उसी तारीख से पुनः समायोजित की जाएगी।

29. परिशिष्ट 1 का संशोधन—उक्त विनियमों के परिशिष्ट 1 में

(1) “आफिसर” शीर्षक के नीचे,

(i) मद 5 के पश्चात्, निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“5क<sup>1</sup> 54<sup>9</sup> कुटुम्ब पेंशन 3 भोगी रक्षा लेखा 4 नियंत्रक (पेंशन)

(ii) मद 7 के सामने, स्तम्भ 4 में, “मुख्य सभारिकी” शब्दों के स्थान पर, “पूर्ति शाखा-निदेशक” शब्द रखे जाएंगे

(iii) मद 13 के सामने, स्तम्भ 4 में, “चीफ आफ पर्सनल” शब्दों के स्थान पर “मुख्य सभारिकी” शब्द रखे जाएंगे।

(iv) मद 14 के सामने, स्तम्भ 4 में, “मुख्य सभारिकी” शब्दों के स्थान पर, “पूर्ति शाखा-निदेशक” शब्द रखे जाएंगे।

(v) मद 14 के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“15—222 आयुक्त आफिसर भारत में  
पूर्ति शाखा-निदेशक  
भारत के बाहर  
केन्द्रीय सरकार।”

(2) ‘नौसैनिक’ शीर्षक के नीचे,

(i) मद 8 के सामने, स्तम्भ 4 में, “चीफ आफ पर्सनल” शब्दों के स्थान पर “पूर्ति शाखा-निदेशक” शब्द रखे जाएंगे।

(ii) मद 9 के सामने, स्तम्भ 4 में “चीफ आफ पर्सनल” शब्दों के स्थान पर, “पूर्ति शाखा-निदेशक” शब्द रखे जाएंगे।

30. परिशिष्ट 8 का संशोधन—उक्त विनियमों के परिशिष्ट 8 में, “प्ररूप 27 के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

प्ररूप 28

पेंशन के संराशीकरण के लिए प्ररूप—नौसैनिक

(आई० ए० एफ० ए० 340 के)

भाग 1

आवेदन प्ररूप

(पेंशन भोगी का फोटो चित्र)

क—आवेदक द्वारा भरे जाने के लिए।

प्रश्न

उत्तर

1. आवेदक का नाम, वर्ग और संख्या और वह पोट या स्थापन जिसमें उसने सेवान्मुक्ति से पूर्व सेवा की थी।

2. जन्म-स्थान।

3. जन्म की तारीख (आयु का सबूत दिया जाएगा)

4. अगले जन्म-विवरण पर आयु

5. पदचाल-चिह्न

6. निवास-स्थान का पता

7. संरक्षित की जाने वाली अभीष्ट पेंशन की रकम

8. क्या आपने अपनी पेंशन का कोई भाग पहले सरा-जित किया है, यदि किया है तो कितना?

9. क्या आपने अपनी पेंशन के संराशीकरण के लिए किसी पूर्व अवसर पर आवेदन किया था, और यदि ऐसा किया था, तो उसका क्या परिणाम हुआ?

10. आप अपनी पेंशन और सराशित मूल्य किस स्टेशन से प्राप्त करते हैं, या प्राप्त करने की प्रस्थापना करते हैं?

11. किसी स्टेशन पर (उस क्षेत्र के निकट जिसमें आप मामूली तौर से निवास करते हैं) आप अपनी वित्तीय परीक्षा करवाना चाहते हैं?

स्थान.....

तारीख.....

हस्ताक्षर या बाएं

हाथ के अंगूठे

का निशान

अनुदेश (1) निम्नलिखित दस्तावेज संराशीकरण के प्रयोजन के लिए, जन्म की तारीख के सबूत के रूप में स्वीकार किए जाएंगे। केवल मूल दस्तावेज न कि प्रमाणित सही प्रतिलिपियां स्वीकार किए जायेंगे, अर्थात्।

(i) मैट्रिकुलेशन प्रमाणपत्र या माध्यमिक स्कूल छोड़ने का प्रमाणपत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के सम-तुल्य के रूप में मान्य प्रमाणपत्र या

(ii) नगरपालिक जन्म प्रमाणपत्र या समुचित प्रधिकारियों द्वारा सम्यक रूप से प्रमाणित नगरपालिक जन्म रजिस्टर से उद्धरण या

(iii) उस स्कूल या उन स्कूलों के रजिस्ट्रो में प्रवेश का अभिलेख जिनमें आवेदक ने शिक्षा प्राप्त की थी और विभिन्न आवधिक स्कूल परीक्षाओं में आवेदक की आयु का अभिलेख।

(2) जहाँ उपरोक्त अनुदेश (1) द्वारा यथा अपेक्षित दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध न हों वहाँ जन्म की तारीख अभ्यावेदन प्ररूप में दी गई निर्धारित दृश्यमान आयु के प्रति निर्देश से सत्यापित की जाएगी।

(3) संराशित की जाने वाली बांछित रकम बट रकम होगी जो पहले से संराशित रकम (रकमों) को मिला कर मूलतः मंजूर पेंशन के आधे से अधिक नहीं होगी।

परन्तु बकाया बच गई पेंशन बीस रुपये प्रति मास से कम नहीं होगी। पूर्वानुमानित पेंशन की वृद्धि में पेंशनभोगी यदि वह ऐसी वांछा करे, अपनी अन्तिम पेंशन के पूर्वानुमानित पेंशन से अधिक होने की वृद्धि में अधिकतम रकम के संराशन का अपना आशय उपरक्षित कर सकेगा। ऐसे मामलों में संराशित की जाने वाली प्रस्तावित रकम, अनुकल्पतः अधिकतम अनु-ज्येय सीमा के भीतर पूरी पेंशन के प्रतिशत भाग या भाग के रूप में अभिव्यक्त की जा सकेगी।

(4) सम्यक रूप से अनुप्रमाणित फोटोचित्र की एक प्रति दिए, गए रिक्त स्थान पर चिपकाई जाएगी और अन्य प्रति (वह भी मध्यक रूप से अनुप्रमाणित हो) प्ररूप के साथ सलग्न की जाएगी।

शेषणा का प्ररूप

(पूर्वानुमानित पेंशन पाने वाले आवेदक द्वारा भरा जाए)

यतः रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) ने मुझे..... रुपये की राशि, जो पूर्वानुमानित पेंशन के भाग का पूजीकृत मूल्य है, मेरी पेंशन की रकम और फलतः पेंशन का वह भाग जो संराशित किया जाए, नियम करने से उसे समर्थ बनाने के लिए आवश्यक पूछताछ के पूरा करने की प्रस्थापना में, अग्रिम देने के लिए अनन्तिम रूप से सम्मति दे दी है। मैं अभि-स्वीकार करता हूँ कि इस अग्रिम को स्वीकार करने में, मैं, पूर्ण रूप से समझता हूँ कि मुझे अब सन्दर्भ दिया गया पूजीकृत मूल्य आवश्यक

औपचारिक पृष्ठताछ के पूरा होने पर पुनरीक्षण के अधीन है और मैं बचन देता हूँ कि मुझे ऐसे पुनरीक्षण के संबंध में इस आधार पर कोई आपत्ति नहीं होगी कि पूर्वानुमानित पेंशन के भाग के पूंजीकृत मूल्य के रूप में मुझे अब सन्दर्भ की जाने वाली अनन्तिसम रकम उस रकम से अधिक है जिसके लिए मैं अन्ततः हकदार पाया जाऊँ। मैं यह और बचन देता हूँ कि मैं उस रकम से जिसके लिए मैं अन्ततः हकदार पाया जाऊँ, आधिक्य में मुझे, अधिम दी गई किसी रकम का प्रतिपाद 'रौकड़' में या पेंशन के उत्तरवर्ती संदाय में से कटौती द्वारा करूँगा।

स्थान.....

हस्ताक्षर.....

तारीख.....

वे शर्तों जिनके अधीन पूर्वानुमानित पेंशन का कोई भाग पेंशनभोगी द्वारा संराशित किया जा सकता है:—

(क) पूर्वानुमानित पेंशन का पैतालीस प्रतिशत संराशित किया जा सकेगा।

(ख) यदि परीक्षा करने पर चिकित्सक प्राधिकारी यह रिपोर्ट दे कि आवेदक की औसत जीवन-अवधि है तो संराशिकरण चिकित्सीय परीक्षा की तारीख से पूर्ण हो जाएगा, अर्थात् पूर्वानुमानित पेंशन उस तारीख से कम कर दी जाएगी और वह संराशिकरण के पश्चात् कम की गई पेंशन का केवल अतिशेष प्राप्त करने का हकदार होगा।

(ग) यदि परीक्षा करने पर चिकित्सक प्राधिकारी रिपोर्ट दे कि संराशिकरण के प्रयोजनों के लिए आवेदक की आयु उसकी वास्तविक आयु से शुरुआत मानी जानी है तो उसे उस तारीख से जिसको उस चिकित्सीय परीक्षा के निष्कर्षों के बारे में सूचित किया गया हो, वी सप्ताह के भीतर किसी भी समय रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद को (रजिस्ट्री डाक द्वारा) प्रेषित लिखित सूचना द्वारा संराशिकरण के लिए अपना आवेदन वापस लेने का विकल्प होगा। यदि ऐसा कोई आवेदन चौदह दिन के भीतर उससे लिखित में प्राप्त न हो तो यह माना जाएगा कि आवेदक परिशिष्ट 8 में विनिर्दिष्ट प्ररूप 29 में यथा उपदर्शित प्रस्तावित पुनरीक्षित पूंजी राशि स्वीकार करता है जो उसे उस समय दी जाएगी जिस समय चिकित्सीय परीक्षा की व्यवस्था की जाए। तत्पश्चात् संराशिकरण उस तारीख से स्वतः पूर्ण बन जाएगा, जिस तारीख को चिकित्सक प्राधिकारी रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करे आवेदक उस तारीख से संराशिकरण के पश्चात् बाकी बच गई पूर्वानुमानित पेंशन का केवल अतिशेष प्राप्त करने का हकदार होगा।

(घ) यदि उसकी अन्तिम पेंशन के निर्धारण करते समय यह पाया जाए कि आवेदक को पूर्वानुमानित पेंशन का संराशित भाग, अन्तिम पेंशन की सीमाओं से बढ़ जाता है तो उसे केवल उस सीमा तक संराशन करने के लिए अनुशात किया जाएगा और सन्देश संराशित मूल्य तदनुसार परिवर्तित किया जाएगा।

मैं ऊपर विनिर्दिष्ट शर्तों से सहमत हूँ।

हस्ताक्षर.....

तारीख.....

ख—पहले से पेंशन प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की बाबत पेंशन संचितक अधिकार द्वारा, अपने अभिलेखों द्वारा जन्म-रजिस्टर, वर्णनात्मक पंजी आदि से भरा जाए।

प्रश्न

उत्तर

1. मूल रूप से मंजूर की गई पेंशन (साथ ही विशिष्ट रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) के परिपत्र की संख्या और तारीख तथा वर्णनात्मक कम संख्या या उसे अधिसूचित करने वाले पेंशन संदाय आदेश की संख्या और वर्ष)

2. पेंशन-भोगी को आयटिम टी० ए०/एच० ओ० संख्या।

3. पहले संराशित पेंशन का भाग, साथ ही मंजूरी (मंजूरीयों) की संख्या और तारीख।

4. वह पेंशन जो पेंशन-भोगी वर्तमान आवेदन देने के समय ले रहा हो।

5. क्या पेंशन का मंजूर की गई दर पर संदाय किया जा रहा है या क्या यह निलम्बन के आदेशों के अधीन है या उसका घटाई गई दर पर संदाय किया जा रहा है (रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) के निलम्बन या कटौती करने का आदेश देने वाले प्रापन की संख्या और तारीख से जानें)

6. क्या विवाद पेंशन किन्हीं विलम्बनों के बिना है।

स्थान.....

हस्ताक्षर.....

तारीख.....

पदाभिधान.....

भाग 1

(मंजूरी प्राधिकारी द्वारा भरा जाए)

चिकित्सक प्राधिकारी द्वारा संराशिकरण की सिफारिश के अधीन देय एक मुक्त राशि वह होगी जो नीचे दी गई है:—

यदि आवेदक की अगली जन्म की तारीख प्रसामान्य आयु के आधार पर अर्थात् जो ..... को है, से पहले संराशी- ..... वर्ष ..... रूपण करण पूर्ण हो जाता है तो सन्देश राशि

यदि आवेदक की अगली जन्म की तारीख प्रसामान्य आयु के आधार पर अर्थात् के पश्चात् किन्तु एक छोड़कर अगली ..... वर्ष ..... रूपये जन्म की तारीख से पहले संराशि- करण पूर्ण हो जाता है तो सन्देश राशि

मंजूरी प्राधिकारी के हस्ताक्षर

भाग 3

उपरोक्त संराशिकरण को प्राणासनिक मंजूरी दी जाती है। प्ररूप के भाग 2 को एक प्रमाणित प्रति परिशिष्ट 8 में विनिर्दिष्ट प्ररूप 29 में आवेदक को भेज दी गई है।

स्थान.....

हस्ताक्षर.....

तारीख.....

पदाभिधान.....

प्ररूप 30 की एक प्रति और उस मूल प्ररूप के भाग 3 का एक अतिरिक्त प्रति के साथ..... (तारीख) को.....

(यहां मुख्य प्रशासन चिकित्सक अधिकार का पदाभिधान और गता दर्ज करें) को हम अनुरोध के साथ भेजा गया कि वह.....

(यहां तारीख दर्ज करें)

मे तीन नाम के भीतर किन्तु.....

(यहां मेधाविबृत्ति की तारीख दर्ज करें)

से पूर्ण नहीं, यथाशक्य शीघ्र उचित चिकित्सक प्राधिकारी द्वारा आवेदक की चिकित्सीय परीक्षा के लिए व्यवस्था करे और वह पर्याप्त समय के अन्दर आवेदक को सूचना दे कि कहा और कब वह परीक्षा के लिए उपस्थित हो।

आवेदक की अगली जन्म की तारीख .....  
(तारीख)

को है और यदि सम्भव हो तो उसकी चिकित्सीय परीक्षा की व्यवस्था उस तारीख से पहले की जाए, जब तक कि आवेदक यह बांछा न करे कि परीक्षा उस तारीख के पश्चात्, किन्तु मंजूरी आदेश में विहित अवधि के भीतर की जाए।

मंजूरी प्राधिकारी के हस्ताक्षर  
और पदाभिधान

प्ररूप 29

(आई० ए० एफ० 340 ख)

भाग 1

चिकित्सक प्राधिकारी द्वारा संराशीकरण की सिफारिश के अधीन देय एक मुष्ट राशि वह होगी जो नीचे दी गई है:—

यदि आवेदक की अगली जन्म की तारीख प्रसामान्य आयु के आधार पर अर्थात् जो ..... को है, से पहले ..... वर्ष ..... रूपण संराशीकरण पूर्ण हो जाता है तो सन्देश राशि

यदि आवेदक की अगली जन्म की तारीख प्रसामान्य आयु के आधार पर अर्थात् के पश्चात् किन्तु एक छोड़कर अगली ..... वर्ष ..... रूपण जन्म की तारीख से पहले संराशीकरण पूर्ण हो जाता है तो सन्देश राशि।

मंजूरी प्राधिकारी के हस्ताक्षर

भाग 2

..... की पेंशन की एक मुष्ट राशि के सन्देश के लिए संराशीकरण (रूपण)

करण उपरोक्त भाग 1 के आधार पर प्रशासनिक रूप से मंजूर किया जाता है। वर्तमान मूल्या की सारणी में, जिसके आधार पर भाग 1 में गणना की गई है, बिना सूचना के किसी भी समय परिवर्तन किए जा सकेंगे और परिणामतः वे सन्देश किए जाने से पहले पुनरीक्षित की जा सकेंगे। देय राशि वह राशि होगी जो उस तारीख के पश्चात् जिस तारीख को संराशीकरण पूर्ण होता है, उसकी अगली, जन्म की तारीख को आवेदक की आयु के या, यदि चिकित्सक प्राधिकारी निर्देश दे कि उस आयु में वर्ष जोड़े जायेंगे तो परिणामतः मानी गई आयु के अनुरूप हो।

2. ....  
(यहां मुख्य प्रशासन चिकित्सक आफिसर का पदाभिधान और पता दर्ज करें)

से अनुरोध किया गया है कि वह चिकित्सीय परीक्षा के लिए व्यवस्था करे और श्री ..... को सीधे सूचित करे कि कहा

और कब वह परीक्षा के लिए उपस्थित हो। वह संलग्न प्ररूप 30 अपने साथ लाए और साथ ही उसके भाग 1 में अपेक्षित विशिष्टता, हस्ताक्षर के सिवाय भरी हुई हों।

हस्ताक्षर .....  
पदाभिधान .....

स्थान .....

तारीख .....

सेवा में,

.....  
(आवेदक का नाम)

.....  
(और पता)

अनुदेश (1) यदि चिकित्सीय परीक्षा एकल चिकित्सक आफिसर द्वारा की गई हो तो आवेदक स्वयं चिकित्सक आफिसर की फीस देगा किन्तु यदि उसकी मूलतः सिविल चिकित्सा बोर्ड द्वारा परीक्षा की गई हो तो वह चार रूपण फीस सरकारी खजाने में जमा करेगा और वह फीस की रसीद और साथ ही तकदी में बारह रूपण की अतिरिक्त फीस परीक्षा से पूर्व बोर्ड को देगा। यदि पेंशन-भोगी की परीक्षा सेवा-बोर्ड द्वारा की गई हो तो उसकी पहली परीक्षा के बारे में उसके द्वारा कोई फीस नहीं ली जाएगी।

(2) यदि कोई पेंशन-भोगी जिसे चिकित्सीय आधार पर एक बार संराशीकरण करने से इन्कार कर दिया गया हो या उसकी वास्तविक आयु में वर्षों की वृद्धि करने के आधार पर उसने संराशीकरण स्वीकार करने से इन्कार कर दिया हो, द्वितीय चिकित्सीय परीक्षा के लिए आवेदन करेगा तो ऐसी परीक्षा का समस्त व्यय उसने के द्वारा वहन किया जाएगा और पुनः परीक्षा के परिणाम को ध्यान में लाए बिना उसे कोई प्रतिपाय नहीं किया जाएगा।

प्ररूप 30

(आई० ए० एफ० ए०—340 ग)

..... द्वारा चिकित्सीय परीक्षा  
(यहां चिकित्सक प्राधिकारी दर्ज करें)

भाग 1

अपनी पेंशन के किसी भाग के संराशीकरण के लिए आवेदक द्वारा विवरण।

आवेदक ..... द्वारा  
(यहां चिकित्सक प्राधिकारी दर्ज करें)

से पहले वह विवरण अवश्य भरे और उससे संलग्न घोषणा पर उस प्राधिकारी की उपस्थिति में अवश्य हस्ताक्षर करे।

1. पूरा नाम (स्पष्ट अक्षरों में)
2. जन्म की तारीख।
3. क्या आपको कभी चिकित्सीय आधार पर छुट्टी अनुदत्त की गई है। यदि हा, तो छुट्टी की अवधि और बिमारी की प्रकृति बताएं?
4. क्या आपके जीवन-बीमा के लिए कोई आवेदन कभी अस्वीकृत या बढ़ाए गए प्रीमियम पर स्वीकृत किया गया है?
5. (क) क्या आपको कभी बताया गया है कि आपके मूल में ज्वेतक या शर्करा है?  
(ख) क्या आप रात को पेनाथ करने के लिए उठते हैं?

(ग) क्या आप अपने स्वास्थ्य के लिए अब या पहले कभी विशेष आहार पर रहे हैं ?

(घ) क्या पिछले तीन वर्षों के भीतर आपके भार में कोई विशेष वृद्धि या कमी हुई है ? यदि हां, तो कितनी ।

6. क्या आप पिछले तीन मास के भीतर किसी चिकित्सा-व्यवसायी के उपचार के अधीन रहे हैं ? यदि हां, तो किस बीमारी के लिए ?

#### “आवेदक (द्वारा घोषणा)”

(चिकित्सक प्राधिकारी की उपस्थिति में हस्ताक्षरित की जाए)

1. मैं घोषणा करता हूँ कि ऊपर दिए गए सभी उत्तर, मेरे सर्वोत्तम विश्वास में सत्य और ठीक हैं ।
2. मैं चिकित्सक प्राधिकारी को अपनी जानकारी में की वे सभी परिस्थितियाँ, जिनका मेरे स्वास्थ्य से संबंध है, पूर्णतः बताऊँगा ।
3. मुझे पूर्ण जानकारी है कि जान-बूझकर मिथ्या कथन करने या किसी सुसंगत तथ्य को छिपाने से मैं उस संराशीकरण, जिसके लिए मैंने आवेदन किया है, से बंजित रहूँगे और तौमना (पेंशन) विनियम, 1964 के विनियम 8 के अधीन अपनी पेंशन के विधायित्व किए जाने या वापिस ले लिए जाने की जोखिम उठाऊँगा ।  
..... की उपस्थिति में हस्ताक्षरित .....

(आवेदक के हस्ताक्षर)

चिकित्सक प्राधिकारी के हस्ताक्षर  
और पदाभिधान

#### भाग 2

(परीक्षा करने वाले चिकित्सक प्राधिकारी द्वारा भरा जाए)

1. वृत्तमान आयु
2. कद
3. भार
4. नाभि के स्तर पर उबर की परिधि
5. (1) नाड़ी की गति  
(क) बैठे हुए  
(ख) खड़े हुए  
(2) नाड़ी का लक्षण क्या है ?
6. धमनियों की दशा कैसी है ?
7. रक्त दाब  
(क) प्रकुंशन  
(ख) अनुनिधिलन
8. क्या मुख्य अंगों की बीमारी का कोई लक्षण है ?  
(क) हृदय  
(ख) फेफड़े  
(ग) जिगर  
(घ) निरली
9. (1) क्या मूल की रासायनिक परीक्षा  
(i) एबेतक (ii) शर्करा दर्शा करती है ?  
(2) त्रिशिष्ट सूत्र बताइए ।

10. क्या आवेदक का कोई विदर है ? यदि हाँ, तो उसका प्रकार बताइए और क्या कम होने योग्य है ?

11. किसी अतिचिह्न या पहचान चिह्न का वर्णन कीजिए ।

12. कोई अतिरिक्त सूचना ।

#### भाग 3

मैंने/हमने ..... को ध्यानपूर्वक परीक्षा कर ली है और मेरी/हमारी राय है कि —

उसका शारीरिक स्वास्थ्य ठीक है और उसकी औसत जीवन-अवधि की संभाव्यता है ।

या

उसका शारीरिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है और संराशीकरण के योग्य नहीं है ।

यद्यपि वह ..... से पीड़ित है तो भी वह संराशीकरण के योग्य समझा गया है किन्तु संराशन के प्रयोजनों के लिए उसकी आयु अर्थात् अगली जन्म की तारीख को उसकी आयु, उसकी वास्तविक आयु से ..... वर्ष अधिक गिनी जानी चाहिए ।

(शब्दों में)

रटेशन ..... आवेदक के बाएं हाथ के अंगुष्ठ का तारीख ..... निशान या हस्ताक्षर । परीक्षा

करने वाले चिकित्सक प्राधिकारी के हस्ताक्षर और पदाभिधान ।

पुनरीक्षण करने वाला चिकित्सक प्राधिकारी ।”

31. परिशिष्ट 9 का संशोधन—उक्त विनियमों के परिशिष्ट 9 में, सारणी में,

(1) “आफिसर” शीर्षक के नीचे,

(क) मद 3 की उपमद (क) के सामने, स्तम्भ 3 में, खण्ड (2) लाप कर दिया जाएगा ।

(ख) मद 4 के सामने, स्तम्भ 3 में, खण्ड (1) में, “प्रत्य” II (एम०पी०बी०-510 पेंशन) “शब्दों, कोष्ठकों, अंकों और अक्षरों के स्थान पर, “प्रत्य” II एम०पी०बी०-510 पेंशन या एम०पी०बी०-511/पेंशन” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे,

(ग) मद 5 के सामने, स्तम्भ 4 में, “भारत में बाहर” उपशीर्षक के नीचे, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“आवेदक से, सम्पूक्त भारतीय मिशन और रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) के माध्यम से भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के सचिव को ।”

(2) “नैसर्गिक” शीर्षक के नीचे—

(क) मद 5 के सामने, स्तम्भ 3 में मद 5(ख) के सामने स्तम्भ 5 में निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :

“नियोग्यता पेंशन प्राप्त करने वाले किसी पेंशनभोगी की मृत्यु की सूचना पेंशन सवित्तक आफिसर से प्राप्त होने पर, रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) तुरन्त वह सूचना कमीशनर नेबल बैरक को भेजेगा जो उस पर विशेष कुटुम्ब पेंशन के

लिये दावा प्रारम्भ करेगा। यदि कमोडोर नेवल बैरक ऐसे पेशन भोगी की मृत्यु की सूचना बिन्ही अन्य प्राप्ति से स्वतन्त्र रूप से प्राप्त करे तो वह रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) से उसकी पुष्टि के लिये प्रतीक्षा नहीं करेगा किन्तु कुटुम्ब पेशन दावा तैयार करने के लिये कार्यवाई तुरन्त प्रारम्भ करेगा।

(ख) मद 7 के नामने,

(i) स्तम्भ 1 में, "पत्र विधवाओं" शब्दों का लोप कर दिया जाएगा,

(ii) स्तम्भ 3 में, "पेशन" शीर्षक के नीचे,—

(क) खण्ड (V) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अन्तस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

"(vi) ऐसे मामलों में जहाँ दावेदार पिता या माता हो वहाँ न व्यक्ति पर सहायता के लिये माता-पिता के आश्रित होने के बारे में, जांच प्रमाणित किये जाने के पश्चात् प्रमाणपत्र दिया जाएगा।"

(ख) 'उपवान' शीर्षक नीचे, खण्ड (vi) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अन्तस्थापित किया जाएगा, अर्थात्,—

"(vii) ऐसे मामलों में जहाँ दावेदार पिता या माता हो वहाँ मृत व्यक्ति पर सहायता के लिये माता के आश्रित होने के बारे में जांच-प्रस्तावित किये जाने के पश्चात् प्रमाणपत्र दिया जाएगा।"

(iii) स्तम्भ 5 में, निम्नलिखित प्रविष्टि अन्तस्थापित की जाएगी, अर्थात्—

"सेवा-पेशन प्राप्त करने वाले किसी ऐसे पेशन भागी की जिसकी मृत्यु सेवान्मृति की तारीख से पांच वर्ष के भीतर हो जाती है, मृत्यु की सूचना पेशन सविनयक आफिसर से प्राप्त होने पर, रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) तुरन्त वह सूचना कमोडोर नेवल बैरक को भेजेगा जो उस पर सामान्य कुटुम्ब पेशन के लिये दावा प्रारम्भ करेगा। यदि कमोडोर नेवल बैरक ऐसे पेशनभोगी की मृत्यु की सूचना किन्ही अन्य स्रोतों से स्वतन्त्र रूप से प्राप्त करे तो वह रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) से उसकी पुष्टि के लिये प्रतीक्षा नहीं करेगा किन्तु कुटुम्ब पेशन दावा तैयार करने के लिये कार्यवाई तुरन्त प्रारम्भ करेगा।"

(ग) मद 11 के पश्चात्, निम्नलिखित मद और प्रविष्टिया अन्तस्थापित की जाएगी, अर्थात्—

1	2	3	4
"12 नौसैनिकों, जिनमें आई०ए०एफ०ए० ऐसे नौसैनिक भी हैं, 340क जिन्हें अवैतनिक प्रायोग अनुदत्त किया गया है कि 340ग पेशन का सराशीकरण			यदि आवेदक अभी सेवा में है या सेवानिवृत्त हो चुका है किन्तु उसकी पेशन अभी मजूर नहीं की गई है तो आवेदक से कमोडोर नेवल बैरक के माध्यम से रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) का यदि आवेदक पेशन प्राप्त कर रहा हो तो आवेदक से सम्पूक्त पेशन सविनयक आफिसर के माध्यम से रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) को।"

(3) अन्त में निम्नलिखित "टिप्पण" अन्तस्थापित किये जाएंगे, अर्थात्—

टिप्पण 1—प्ररूप एम०पी०बी०-510/पेशन का प्रयोग माता-पिता के लिये किया जाता है और प्ररूप एम०पी०बी०-511/पेशन का प्रयोग भाई और बहनो के लिये किया जाता है।

2—रोग, आकस्मिक अति, आत्म-हत्या या हत्या से हुई मृत्यु के सभी मामले उन परिस्थितियों को ध्यान में लाए बिना जिनमें आशक्तता या मृत्यु हुई हो नीचे उल्लिखित मामलों के सिवाय, कमोडोर-नेवल-बैरक द्वारा रक्षा लेखा नियन्त्रक पेशन को कुटुम्ब पेशन के लिये दावों के रूप में पेशन किए जाएंगे, अर्थात्—

(1) ऐसे मामले जहाँ कोई व्यक्ति जीवन की सामान्य अवधि से अधिक जीवित रहता है, अर्थात् जहाँ साठ वर्ष या उससे अधिक आयु में मृत्यु होती है।

(2) ऐसे मामले जहाँ कोई व्यक्ति सेवा पेशन या उदात्त महान् चिकित्सीय आधारों से भिन्न आधारों पर सेवान्मृक किया गया था और मृत्यु का कारण रोग से भिन्न हो।

(3) ऐसे निजर्व सैनिकों के मामले जिनकी मृत्यु (सिवाय तब से जब वे सेवा या प्रशिक्षण के लिये भुलाए गए हों) रिजर्व के दौरान हो जाए और मृत्यु का कारण रोग से भिन्न हो।

परन्तु उपर निर्दिष्ट अपवादित प्रवर्गों में से प्रकाशद मामले विनिश्चय के लिये रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) को भेजे जाएंगे।

(वित्त मन्त्रालय (रक्षा 1973 का प्रशासकीय पत्र आ० स० 1865-पेशन)

(का० स० पी एन/2238/XV)

रवीन्द्रनाथ यागी, उप-सचिव

New Delhi, the 15th February, 1975

**S.R.O. 95.**—In exercise of the powers conferred by section 184 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Navy (Pension) Regulations, 1964, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These regulations may be called the Navy (Pension) Second Amendment Regulations, 1975

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Insertion of new regulation 5A.—In the Navy (Pension) Regulations, 1964 (hereinafter referred to as the said regulations), after regulation 5, the following regulation shall be inserted, namely:—

"5A Reduction in pension.—The reduction in pension if effected under these regulations, shall be in whole rupees only so that the resultant pension may be paid in whole rupees even after effecting reduction"

3. Amendment of regulation 54.—In regulation 54 of the said regulations, for the words "Central Government", the words "competent authority" shall be substituted

4. Amendment of regulation 79.—In regulation 79 of the said regulations, in sub-regulation (1), clause (iii) shall be omitted.

5 Substitution of regulation 160.—For regulation 160 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely:—

"160 Rounding off of pensions and gratuities.—(1) The amount of pension as finally calculated, as also the



amount of anticipatory pension, shall be rounded off to the next higher rupee.

(2) Gratuities shall be calculated to the nearest multiple of five paise, that is, where the exact amount works out to two and a half paise or more, it shall be taken to the next higher multiple of five paise, amount below two and a half paise being disregarded.

(3) The provisions of sub-regulation (2) shall also apply to the payment of capitalised value of commuted portion of pension."

6. Amendment of Sub Heading of Section 2.—In Chapter III of Part II of the said regulations, after regulation 163 in Section 1, for Section 2 and the sub-heading thereof, the following Section and sub-heading shall be substituted, namely:—

"Section 2.—PROCEDURE FOR SPEEDY PAYMENT OF FAMILY GRATUITY AND FINALISATION OF FAMILY PENSION CLAIMS IN CASES OF DEATHS IN ACTION, FLYING ACCIDENTS OR PARACHUTE JUMPING OR WHILE EMPLOYED IN AID OF CIVIL POWER".

7. Amendment of regulation 164.—In regulation 164 of the said regulations, for the words "due to flying accidents or parachute jumping", the following words shall be substituted, namely:—

"in action, due to wounds sustained in action, flying accidents or parachute jumping or while employed in aid of civil power".

8. Amendment of regulation 165.—In regulation 165 of the said regulations,

(1) in sub-regulation (1), for the words "a service aircraft", appearing at two places, the words "an aircraft" shall be substituted;

(2) sub-regulation (3) shall be omitted.—

9. Amendment of regulation 166.—In regulation 166 of the said regulations, in sub-regulation (2), in clause (ii), for the paragraph commencing with the words "Intimation as under" and ending with the words "by the Central Government", the following paragraph shall be substituted, namely:—

"Either of the following Intimation shall be recorded in the footnote of the money order form:—

Cases of death due to flying accidents or parachute jumping

"The sum of Rs. .... as family gratuity consequent on the death of your ..... (here insert relationship, rank and name of the deceased individual) is sent herewith as provisional payment till the necessary enquiries and investigations are completed and your correct entitlement to the pensionary awards, in respect of the late ..... is determined. The amount now advanced will be adjusted against the family pensionary awards which are finally found to be admissible".

Or

Cases of death in action, due to wound sustained in action or of violent death in aid of civil power

"The sum of Rupees ..... as family gratuity consequent on the death of your .... (here insert relationship, rank and name of the deceased individual), is sent herewith. This amount represents the final payment of family gratuity and no further award of gratuity will be admissible to any other heir if, after completion of necessary enquiries and investigation, it is found that special family pension is admissible to any such heir."

Note: Money Order charges incurred on such remittances shall be borne by the Central Government."

10. Amendment of regulation 167. In regulation 167 of the said regulations,

147 GI/74—3

(1) in sub-regulation (1), the words "made being seventy-five percent" shall be omitted;

(2) in sub-regulation (2), the words "being seventy-five percent" shall be omitted.

11. Amendment of regulation 176.—In regulation 176 of the said regulations, in sub-regulation (3),

(i) for the words "The Base Supply Officer", the words "The Commodore, Naval Barracks" shall be substituted;

(ii) in sub-clause (b), for the words "regarding the ineligibility of the recipient for special family pension", the following words shall be substituted, namely:—

"regarding the death of the recipient or his ineligibility for a special family pension".

12. Amendment of regulation 177. In regulation 177 of the said regulations in clause (b) for sub clause (i) the following sub clause shall be substituted, namely:—

"(i) If the claim is rejected, the amount paid as pending enquiry award shall be adjusted as under:

(a) If paid to the widow, it shall be adjusted against the award of family pension or gratuity admissible to her under regulation 142.

(b) If paid to an heir other than the widow who is alive and is eligible for the grant of an award of pension or gratuity under regulation 142, the case shall be referred to the Central Government for orders, regarding the regularisation of the pending enquiry award.

(c) No recovery shall be made in other cases."

13. Insertion of new regulation 179A.—After regulation 179 of the said regulations, the following regulation shall be inserted, namely:—

"179-A. Transfer of pension.—(1) Except where specifically provided otherwise, pension shall be paid in rupees in India. Transfer outside India of pensions of pensioners who retired on or after the twenty-first August nineteen hundred and fifty-nine or who, having retired before the twenty-first August nineteen hundred and fifty-nine, had not taken up residence outside India before that date as well as of their dependants shall be not permissible except with the prior approval of the Central Government.

(2) A non-Indian pensioner (non-Indian by citizenship and not merely by nationality) who is a citizen of a country other than India at the time of his retirement and who entered service before tenth September nineteen hundred and forty-nine and takes up his residence in any country outside India shall be eligible to get his pension transferred outside India.

(3) The Controller of Defence Accounts (Pensions) or the Pension Disbursing Officer concerned may, on application and on sufficient cause being shown, permit transfer of payment of a pension from one station to another in India."

14. Omission of regulations 182 and 185.—Regulations 182 and 185 of the said regulations, shall be omitted.

15. Amendment of regulation 187.—In regulation 187 of the said regulations, in clause (iv) of sub-regulation (2), after the word "treasuries", the words "or Pension Pay Master" shall be inserted.

16. Amendment of regulation 189.—In regulation 189 of the said regulations,

(1) at the end of sub-regulation (1), the following Explanation shall be inserted, namely:—

"Explanation.—Service or disability pensioners, except female pensioners and those who have been specially exempted by the Central Government, shall, as an additional precaution, be identified with

reference to their photographs sent to the pension disbursing officer by the Controller of Defence Accounts (Pensions)."

- (2) at the end of sub-regulation (3), the following Explanation shall be inserted, namely :—

"Explanation.—Retired commissioned officer may sign the life certificate on pension bill form (IAFA-319)."

17. Amendment of regulation 194.—In regulation 194 of the said regulation,

- (1) in sub-regulation (3), after the words "is given by", the words "a retired gazetted officer pensioner" shall be inserted;
- (2) in sub-regulation (4), for the third and fourth paragraphs beginning with the words "The Indian Embassy in Nepal" and ending with the words "for obtaining life certificates", the following paragraph shall be inserted, namely :—

"The Political Officer at Sikkim or Bhutan shall obtain once a year a life certificate from Sikkim or Bhutan Government, as the case may be, for every such pensioner residing in those countries. Gorkha military pensioners residing in Nepal shall themselves be responsible for furnishing annually a life certificate signed by two male military pensioners and countersigned by an official of the Nepal Government."

18. Amendment of regulation 195.—In regulation 195 of the said regulations, after clause (c), the following clause shall be inserted, namely :—

- "(f) If a pensioner is convicted by a foreign court (including that of Nepal) or is imprisoned in a jail outside India for serious crimes of a non-political nature, his case shall be referred to the Central Government through the Controller of Defence Accounts (Pensions) for a decision on the question of reduction, forfeiture or restoration of pension."

19. Insertion of new regulation 200A.—After regulation 200 of the said regulations, the following regulation shall be inserted, namely :—

"200-A. Money Order Commission on payment of gratuities made by Money Order.—Money order commission on remittance of gratuities admissible under these regulations shall be borne by the Central Government."

20. Amendment of regulation 208.—In regulation 208 of the said regulations, after sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be inserted, namely :

- "(3) A public claim against a sailor, a non-public fund debt due from him or a non-public fund claim which the Central Government may direct to be recovered shall be recoverable from the gratuity admissible to his widow under regulation 142."

21. Substitution of regulation 211.—For regulation 211 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :—

"211. Powers of the Controller of Defence Accounts (Pensions) and the officers of his establishment to write off over-payment of pension and to waive audit objections.—(1) Overpayments of pension not due to an error in law (including a misinterpretation of regulations and orders) which are, from any cause, irrecoverable may be written off by the Controller of Defence Accounts (Pensions) or by a Joint Controller of Defence Accounts (Pensions) if in independent charge, up to an amount not exceeding rupees two hundred and fifty in each case.

- (2) In order to save time and trouble over relatively unimportant items, the Controller of Defence Accounts (Pensions) or the Joint Controller of Defence Accounts (Pensions) if in independent charge may, at his discretion, when he is reasonably satisfied that, having regard to the facts of the case, it is in the

best interests of the Central Government to do so, waive any audit objection on the payment of pension up to a limit of rupees one hundred and twenty-five in each case, brief reasons being recorded of the circumstances which, in his opinion, justify the waiver. Similarly the Joint Controller of Defence Accounts (Pensions) may waive an audit objection upto a limit of rupees seventy-five in each case. A Deputy Controller of Defence Accounts (Pensions) may exercise the same powers up to a limit of rupees fifty and an Assistant Controller of Defence Accounts (Pensions) or a gazetted officer in charge of a section, up to a limit of rupees twenty-five in similar circumstances.

- (3) In cases where the whole or any portion of the expenditure although not unjustifiable in itself, is not exactly covered by rule or the authority for the expenditure is insufficient, or full proof that it has been incurred has not been provided such as an absence of one or more sub-vouchers, the Controller of Defence Accounts (Pensions), or the Joint Controller of Defence Accounts (Pensions), if in independent charge, may waive an audit objection upto a limit of rupees two hundred and fifty in each case :

Provided—

- (i) that the expenditure is not of an intrinsically recurring nature ; and
- (ii) where the objection is based on insufficiency of sanction, he is satisfied that the authority empowered to sanction the expenditure would accord sanction if required ; or
- (iii) where the objection is based on insufficiency of proof of payment, he is of opinion that undue trouble would be caused if the submission of the full proof of the expenditure having been incurred were insisted on, and he sees no reason to doubt that the payment has actually been made."

22. Insertion of new regulation 212A.—After regulation 212, of the said regulations, the following regulation shall be inserted, namely :—

"212-A. Recovery of disability pension from a pensioner who is re-employed or re-enrolled without disclosing his invalidation.—Any payment of the disability pension made after the date of re-employment or re-enrolment, to a pensioner who is re-employed or re-enrolled without disclosing that he was invalided out of service shall be recovered as under :

- (a) if he is on effective list, from his pay and allowances ; and
- (b) if he is non-effective, from the fresh award of disability pension, if any, sanctioned on the termination of his re-employment or re-enrolment."

23. Amendment of the Heading of Chapter VII.—After regulation 214 of the said regulations, in the heading of Chapter VII,

- (1) the word "OFFICERS" shall be omitted;
- (2) below the heading, as so amended the following shall be inserted as a new sub-heading, namely :—

#### "SECTION 1—OFFICERS"

24. Amendment of regulation 216.—In regulation 216 of the said regulations,

- (1) in sub-regulation (1), for clause (ii), the following clause shall be substituted, namely :—

"(ii) if outside India, to the Secretary to the Government of India, in the Ministry of Defence through the Indian Mission concerned and the Controller of Defence Accounts (Pensions).";

- (2) after sub-regulation (5), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

"(6) If the applicant is residing outside India, the Indian Mission concerned shall arrange a medical

board at any station in the country convenient to the applicant as well as to the Mission. The composition of the medical board shall be decided by the Mission.”;

25. Amendment of regulation 217.—In regulation 217 of the said regulations,

- (1) the words “in India” appearing in the marginal heading shall be omitted;
- (2) after sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

“(3) Medical Board for pensioners residing outside India.—Necessary fee for the medical board shall be deposited in full by the applicant with the Indian Mission who shall arrange payment to the members of the medical board. The pensioner shall pay the fee of the board according to the rates fixed by the Indian Mission in that country.”;

26. Amendment of regulation 219.—In regulation 219 of the said regulations, for sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“(2) The capitalised value shall be paid as under :

- (i) Pensioners residing in India as well as those residing outside India who have not been permitted to draw their pension outside India.—The capitalised value shall be payable in India but pensioners residing outside India shall have to make their own arrangements for its transfer to the foreign country concerned.
- (ii) Pensioners residing outside India, who have been permitted to draw their pension in a foreign country.—Payment of capitalised value shall be made through the Indian Mission.”

27. Substitution of regulation 222.—For regulation 222 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely :—

“222 Commutation of anticipatory or provisional Pension.—Officers.—An applicant for commutation of his pension who has clearly indicated his intention to commute the maximum amount of his pension or expressed the amount proposed to be commuted as a fraction or percentage of the full and final pension within the maximum permissible limits and is allowed to commute such fraction or percentage of the anticipatory or the provisional pension, shall neither be required to apply afresh nor to produce a fresh certificate of medical examination for commutation of the difference between the fraction or percentage of the final pension and the anticipatory pension or provisional pension. As the commutation in such cases is payable in two instalments, one out of the anticipatory or the provisional pension and the other after final assessment of pension, the report from the Controller of Defence Accounts (Pensions) shall have to be called for twice. A fresh sanction of the competent authority for the difference of the commuted value, that is, the maximum value accrued minus value commuted provisionally shall be necessary. In such cases, commutation as finally sanctioned shall also take effect from the date of original commutation of the anticipatory or provisional pension and the amount of residual pension shall also be re-adjusted from the same date.”;

28. Insertion of a new sub-heading and regulations 223 to 232: After regulation 222, of the said regulations, the following sub-heading and regulations shall be inserted, namely :—“Section 2—Sailors including the Master Chief Petty Officers granted Honorary Commissions and short Service Commissioned Officers (Ex-Sailors).

223. Age for commutation.—(1) The following documents in original shall be accepted as proof of the date of birth for the purpose of commutation, namely :—

- (i) the Matriculation Certificate or the Secondary School Leaving Certificate, or a Certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or
- (ii) Municipal birth certificate or an extract from the Municipal birth register, duly certified by the proper authority, or

(iii) the record of admission in the registers of the school or schools in which the applicant was educated and also a record of the applicant's age at various periodical school examinations.

(2) Where the documentary evidence as required by sub-regulation (1) is not available, the date of birth shall be verified with reference to the assessed apparent age given in the enrolment form. For purposes of calculating the date of birth in such cases, it shall be assumed that the individual has completed the assessed apparent age on the date of enrolment e.g. if a person has been enrolled on the first August nineteen hundred and thirty-seven and if on that date his age is assessed as seventeen years, his date of birth shall be taken as the first August nineteen hundred and twenty. In cases in which the year and month in which the individual is born are known but not the actual date, the latter shall be taken as the sixteenth of the month.

Explanation.—A pensioner may submit any of the documents mentioned above as a proof of his age without certifying the non-availability of other proof of higher inter-sex priority.

224. Submission of application.—(1) An individual desirous of commuting a portion of his pension shall apply in Form 28 specified in Appendix VIII, along with two duly attested copies of his passport size photographs (one copy to be pasted on the application form itself at the appropriate place while the other is to be loosely attached to the form), as under :

- (i) if he is still in service or has retired but his pension has not yet been sanctioned, he shall apply to the Controller of Defence Accounts (Pensions) through the Commdore Naval Barracks;
- (ii) in the case of pensioners residing outside India, the procedure for submission of application and arrangements for medical examination shall be as laid down in regulation 216;
- (iii) if he is in receipt of a pension, he shall apply to the Controller of Defence Accounts (Pensions), through the Pension Disbursing Officer concerned who shall, while forwarding the application to the Controller of Defence Accounts (Pensions) complete portion ‘B’ in Part I of the said Form and also furnish information on the point whether the pension in issue is without any encumbrance.

(2) In order to ensure that payment is made at the rate shown for the specified age, it is necessary that application to commute pension must reach the Office of the Controller of Defence Accounts (Pensions), at least two months before the applicant shall attain such age.

225. Action by the Controller of Defence Accounts (Pensions) on receipt of application for commutation of pension.—On receipt of an application for commutation of pension, the Controller of Defence Accounts (Pensions), shall inform the individual of the commuted value which shall be payable to him in the event of his being found to have an average expectation of life and also instruct him to appear for a medical examination, before a specified authority within three months from the date of the Controller of Defence Accounts (Pensions) letter and if the application for commutation has been made in advance of the date of retirement or discharge, within three months of that date, but in no case earlier than the actual date of retirement or discharge. This intimation shall constitute administrative sanction to the commutation of pension, but shall lapse if the medical examination does not take place within the period specified in the sanctioning order. If the applicant does not appear for the medical examination before the specified medical authority within the specified period, the Controller of Defence Accounts (Pensions) may at his discretion renew administrative sanction for a further period of three months without obtaining a fresh application for commutation of pension. Cases, where the applicant is medically examined after this extended period of three months, shall be examined by the Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad, on merits and administrative sanction shall be renewed further only if he is satisfied that the applicant is not to blame for the delay.

226. Payment of Capitalised Value.—(1) Average life.—If the medical authority reports that the pensioner has an average expectation of life, the capital sum already notified shall

be paid to him and the corresponding deduction made from his pension.

(2) Impaired life.—In case, an addition to his age is recommended, the pensioner shall be informed by registered post with acknowledgment due, of the medical authority's recommendation and the commuted value payable in lieu thereof. The sum offered shall be paid if the applicant does not withdraw in writing his application within a period of fourteen days from the date on which he receives intimation of the revised sum payable on commutation.

(3) Verification of signatures of the individual.—While authorising payment of commuted value, the Controller of Defence Accounts (Pensions) shall forward to the pension Disbursing Officer Form 30 specified in Appendix VIII containing the signatures taken in the presence of the medical authority with instructions that they should be verified with those received with the Pension Payment order.

(4) Payment on the death of pensioner before receiving commuted value of pension.—If a pensioner dies on or after the date on which the commutation became absolute but before receiving the commuted value, its value shall be paid to his legal heirs.

(5) Overdrawal of commuted portion.—If the commuted portion of the pension has been drawn after the date on which the commutation became absolute, the amount drawn shall be deducted from the amount payable on commutation.

(6) Payment of commuted value in or outside India.—Payment of the commuted value in India or outside India shall be regulated in the manner specified in sub-regulation (2) of regulation 219.

(7) Cancellation of sanction.—The Controller of Defence Accounts (Pensions) may cancel the sanction at any time before payment is actually made, if the applicant makes any statement found to be false with this knowledge or wilfully suppresses any material fact in answer to any question, written or oral, put to him in connection with his medical examination.

227. Competent Medical authority.—(1) The medical authority competent to examine an applicant for commutation of an amount of pension which, together with the amount previously commuted, exceeds rupees twenty-five per month shall be a civil medical board if such a board can be arranged to meet at a station reasonable near to the applicant's residence within the period specified by the sanctioning authority. Failing this, a reviewing board shall constitute a medical board which shall either be the standing medical board at the headquarters of the civil administration or the senior medical officer of the administration and a medical officer nominated by him of status not lower than that of a civil surgeon. Such an authority shall review the medical report on the health and expectation of life of the pensioner made by the civil surgeon or district medical officer of the area in which the applicant is ordinarily resident at the time he applies for commutation. After calling for any information as it thinks fit from the examining officer, it shall pass final orders.

(2) In the case of an applicant who applies for commutation of an amount of pension which, together with the amount or amount previously commuted, is rupees twenty-five or less, the competent medical authority shall be the medical officer not below the status of a civil surgeon or district medical officer of the area in which the applicant is ordinarily resident.

(3) Where it is not possible to arrange medical examination by either of the authorities mentioned in sub-regulation (1) or sub-regulation (2), the Controller of Defence Accounts (Pensions) may arrange examination of the applicant by a Services medical board.

(4) (a) If the applicant is a person residing in Nepal and drawing a pension through the Indian Embassy in Nepal, the competent medical authority shall be the medical officer of the Indian Embassy in Nepal. To avoid inconvenience the medical examination of an applicant who is resident of Nepal may be carried out at the Central Coordination Board Hospital in Nepal or the Check Post Hospital at Dhankutta.

In such cases the medical report shall be reviewed by the medical officer of the Indian Embassy, Nepal, if the commuted amount exceeds rupees twenty five per month:

Provided that if the medical officer of Check Post Hospital at Dhankutta happens to be a government employee, the report of the medical examination carried out by him shall not be subject to such review.

(b) Hospitals where pensioners residing in Nepal may go for medical examination are as under :—

1. Military Hospital, Kunraghat.

2. Military Hospital, Lebong.

3. Embassy Hospital, Kathmandu.

Central Co-ordination Board Institution.—

4. Western Zone Hospital, Pokhara.

5. District Soldiers' Board Hospital, Syangja, No. 4 West.

6. District Soldiers' Board Hospital, Gulmi (Tamgas).

7. District Soldiers' Board Hospital, Pinthan (West Nepal).

8. District Soldiers' Board Hospital, Bhojpur (East Nepal).

9. District Soldiers' Board Hospital, Terathum (East Nepal).

10. Check post Hospital, Dhankutta (East Nepal).

(5) It shall be permissible for a Gorkha sailor whose home is in Nepal and who is due to be transferred to the pension establishment to apply for the commutation of his pension if he so desires, shortly before the actual date of his discharge. In such a case, his medical examination may be carried out, before he leaves his Ship or Establishment on discharge, at the Service Hospital of the Station at which the Ship or Establishment is located.

228 Procedure to be followed in Controller of Defence Accounts (Pension)'s Office.—On receipt of the application for commutation of pension as prescribed in Part I of Form 28 specified in Appendix VIII duly completed by the applicant, the Controller of Defence Accounts (Pensions) shall complete Part II of the said Form and forward it in original to the Chief Administrative medical officer concerned, together with a copy of Form 30 specified in Appendix VIII and an extra copy of Part III of that form for arranging medical examination. Copies of the previous medical reports or statements of case should also be forwarded along with the above forms, in cases where the applicant has been granted invalid pension, or has previously commuted any portion of his pension (or declined to accept commutation) on the basis of an addition of years to his actual age, or has been refused commutation on medical grounds. Simultaneously, the Controller of Defence Accounts (Pensions) shall forward to the applicant Form 29 specified in Appendix VIII, duly completed, together with a copy of the said Form 30, Part I of which shall be filled in by the applicant before his medical examination and handed over to the competent authority.

229. Procedure to be followed by the medical authority.—

(1) The medical authority, after obtaining from the applicant a statement in Part I of Form 30 specified in Appendix VIII (which must be signed in its presence), shall subject him to a strict examination, enter the results in Part II of the said Form 30 and record its opinion as to the accuracy with which the pensioner has answered the questions prescribed in Part I thereof regarding his medical history and habits. It shall also complete the certificate contained in Part III of the said Form 30 and obtain signature of the pensioner or his thumb and finger impressions if he is unable to sign the forms.

(2) In the case of an applicant who has been or is about to be granted an invalid pension, the grounds of invaliding or the statement of the medical case shall be duly considered by the certifying medical authority before the certificate in Part III of Form 30 specified in Appendix VIII is signed.

(3) The ultimate medical authority shall without delay forward the completed Forms 28 and 30 specified in Appendix VIII in original to the Controller of Defence Accounts (Pensions), and a certified copy of Part III of the said Form 30 to the applicant.

230. Medical Examination fees and opening of rejected applications for commutation.—(1) If the examination is conducted by a single medical officer, the applicant shall himself pay the medical officer's prescribed fee of rupees sixteen, out of which rupees twelve in cash shall be retained by the medical officer concerned and the remaining rupees four shall be credited to the Central Government. If he is originally examined by a civil medical board he shall pay a fee of rupees four into a Government treasury and make over the receipt for the fee to the board before the examination together with an additional fee of rupees twelve to be retained and divided by the members of the board among themselves. If the pensioner is examined by a Service board, no fee shall be paid by him in respect of his first examination.

(2) A pensioner, after he has been refused commutation on medical grounds or after he has once declined to accept commutation on the basis of an addition of year or years to his actual age, may apply for a second medical examination at his own expense, if at least one year has elapsed since his first medical examination. Such a re-examination shall invariably be made by a medical board. If the re-examination is carried out by a Service medical board, the Government share of the fee, viz. rupees four shall be credited to the Defence Service Estimates, and the receipt together with the medical certificate shall be forwarded to the Controller of Defence Accounts (Pensions).

(3) If, in the opinion of the medical authority, some special examination is necessary which it is not in a position to carry out itself, it may, require the applicant to undergo such examination at his own expense. No refund of such expenditure shall be given by the Central Government irrespective of the result of examination.

(4) In the case of pensioners residing outside India the procedure shall be as laid down in sub-regulation (3) of regulation 217.

231. Recovery of public claims from the commuted value.—Before the commuted value is paid, the Controller of Defence Accounts (Pensions), shall ascertain whether any public claim is outstanding against the applicant, and deduct the amount of such claim from the lump sum which would but for the claim be payable to him. Where an overpayment is in the process of recovery from the pension, the over paid amount remaining unadjusted at the time of commutation shall be recovered in one lump sum from the commuted value payable.

232. Commutation of anticipatory or provisional pension.—An individual who applies for the commutation of a portion of his pension and such portion is expressed as a percentage or fraction of the total pension admissible to him and is allowed in the first instance to commute such percentage or fraction of his anticipatory or provisional pension shall, in the event of his final pension being more than his anticipatory or provisional pension be allowed to commute a further sum without appearing before a fresh medical board, so as to make the commuted amount equal to the specified percentage or fraction of the amount of pension as finally sanctioned. In such cases, commutation as finally sanctioned shall also take effect from the date of the original commutation of the anticipatory or provisional pension and the amount of residual pension shall also be re-adjusted from the same date."

29. Amendment of Appendix I.—In Appendix I of the said regulations,

(1) Under the heading "OFFICERS",—

(i) after item 5, the following item shall be inserted, namely :—

1	2	3	4
"5A	54	Family pensioners	Controller of Defence Accounts (Pensions)";

- (ii) against item 7, in column 4, for the words "Chief of Logistics", the words "Director of Supply Branch" shall be substituted;
- (iii) against item 13, in column 4, for words "Chief of Personnel", the words "Chief of Logistics" shall be substituted;
- (iv) against item 14, in column 4, for the words "Chief of Logistics", the words "Director of Supply Branch" shall be substituted;
- (v) after item 14, the following item and entries shall be inserted, namely :—

1	2	3	4
"15	222	Commissioned officers	In India Director of Supply Branch Outside India The Central Government."

(2) under the heading "SAILORS",—

- (i) against item 6, in column 4, for the words "Chief of Personnel", the words "Director of Supply Branch" shall be substituted;
- (ii) against item 9, in column 4, for the words "Chief of Personnel", the words "Director of Supply Branch" shall be substituted

30. Amendment of Appendix VIII.—In Appendix VIII of the said regulations, after "Form 27", the following Forms shall be inserted, namely :—

"FORM 28

FORM FOR COMMUTATION OF PENSION—SAILORS  
(IAFA-340A)

PART I

FORM OF APPLICATION

Photograph of  
the pensioner

A—To be completed by the applicant

Questions	Answers
1. Name, rate and number of the applicant and the ship or establishment in which he served before discharge.	
2. Place of birth	
3. Date of birth (Proof of age to be furnished)	
4. Age on next birthday	
5. Marks of identification	
6. Residential address	
7. Amount of pension desired to be commuted.	
8. Have you commuted any portion of your pension before: if so, how much?	
9. Have you on any previous occasion applied for commutation of your pension, and, if so, with what result?	
10. From which station do you draw or propose to draw your pension and commuted value?	
11. At what station (near the are in which you are ordinarily resident) would you prefer your medical examination to take place?	

Signature or left hand thumb impression

Place \_\_\_\_\_  
Date \_\_\_\_\_

Instructions.—(1) The following documents shall be accepted as proof of the date of birth for the purpose of commutation. Only original documents and not certified true copies shall be accepted, namely :

- (i) the matriculation certificate or the secondary school leaving certificate, or a certificate recognised by an Indian University as equivalent to matriculation, or
- (ii) Municipal birth certificate or an extract from the municipal birth register duly certified by proper authorities, or
- (iii) the record of admission in the registers of the school or schools in which the applicant was educated and also record of the applicant's age at various periodical school examinations,

(2) Where the documentary evidence as required by instruction (i) above is not available, the date of birth shall be verified with reference to the assessed apparent age given in the enrolment form.

(3) The amount desired to be commuted shall be an amount which together with the amount(s) already commuted shall not exceed half of the pension originally sanctioned :

Provided that the residual pension left is not less than rupees twenty per month. In case of anticipatory pension, the pensioner may, if he so desires, indicate his intention to commute the maximum amount in the event of his final pension being more than the anticipatory pension. In such cases, the amount proposed to be commuted may alternatively, be expressed in terms of a percentage or fraction of full pension within the maximum permissible limit.

(4) One copy of the photograph duly attested shall be pasted on the space provided and the other (also duly attested) shall be loosely attached to the form.

#### FORM OF DECLARATION

(To be completed by the applicant in receipt of anticipatory pension).

Whereas the Controller of Defence Accounts (Pensions) has consented provisionally to advance to me the sum of rupees.....being the capitalised value of a portion of the anticipatory pension in anticipation of the completion of the enquiries necessary to enable him to fix the amount of my pension and consequently the part of pension that may be commuted, I hereby acknowledge that in accepting the advance, I fully understand that the capitalised value now paid to me is subject to revision on the completion of the necessary formal enquiries and I promise to have no objection to such revision on the ground that the provisional amount now to be paid to me as the capitalised value of the part of anticipatory pension exceeds the amount to which I may be eventually found entitled. I further promise to repay either in cash or by deduction from subsequent payments of pension any amount advanced to me in excess of the amount to which I may be eventually found entitled.

Station.....  
Date.....

Signature.....

Conditions under which a portion of an anticipatory pension can be commuted by the pensioner :—

- (a) Forty five per cent of the anticipatory pension may be commuted.
- (b) If the medical authority reports on examination that the applicant has an average duration of life, the commutation shall become absolute from the date of medical examination, that is, the anticipatory pension shall be reduced with effect from that date and he shall be entitled to receive only the balance of reduced pension after commutation.
- (c) If the medical authority reports on examination that the applicant's age for the purpose of commutation is to be assumed to be greater than his actual age, he shall have the option of withdrawing his application for commutation by written notice despatched to the Controller of Defence Accounts (Pensions), ALLAHABAD (by registered post) at any time

within two weeks from the date on which he is informed of the findings of the medical examination. If no such application is received in writing from him within fourteen days, it shall be assumed that the applicant accepts the revised capital sum offered as shown in Form 29 specified in Appendix VIII which shall be supplied to him at the time the medical examination is arranged for. The commutation shall then automatically become absolute from the date on which the medical authority signs the report. The applicant shall be entitled from that date only to receive the balance of the anticipatory pension remaining after commutation.

- (d) If in assessing his final pension it is found that the commuted portion of the applicant's anticipatory pension exceeds the limits of the final pension he shall be allowed to commute only to that extent and the commuted value payable shall be altered accordingly.

I agree to the conditions specified above.

Signature.....

Date.....

B—To be completed in respect of persons already in receipt of pension by pension disbursing officer from his records that is check register, descriptive roll etc.

#### Questions

#### Answers

1. Pension originally sanctioned (with number and date and descriptive serial number of the particular Controller of Defence Accounts (Pensions) circular or the number and year of the pension payment order notifying the same).
2. T.S./H.O. number allotted to the pensioner.
3. Portion of pension already commuted with number and date of the sanction(s).
4. Pension which the pensioner is drawing at the time of submission of present application.
5. Whether pension is being paid at the rate sanctioned or whether it is under orders of suspension or is being paid at reduced rate (the number and date of the Controller of Defence Accounts (Pensions) memo ordering suspension or reduction, are to be quoted).
6. Whether the pension in issue is without any encumbrances.

Place.....

Signature.....

Date.....

Designation.....

#### PART II

(To be completed by the sanctioning authority)

Subject to the medical authority's recommending commutation, the lump sum payable shall be as stated below :—

Sum payable, if the commutation becomes absolute before the applicant's next birthday which falls on.....	On the basis of normal age i. e..... years..... Rupees .....
---	--

Sum payable if the commutation becomes absolute after the applicant's next birthday but before his next birthday but one.	On the basis of normal age i.e..... years .. Rupees .....
---	---

Signature of the sanctioning Authority.

## PART III

Administrative sanction is accorded to the above commutation. A certified copy of Part II of the form has been forwarded to the applicant in Form 29 specified in Appendix VIII.

Place..... Signature .....

Date..... Designation.....

Forwarded to..... with (Here enter the designation and address of the Chief Administrative Medical Officer).

one copy of Form 30 and an extra copy of Part III of that Form in original on..... (date) with the request that he shall arrange for the medical examination of the applicant by the proper medical authority as early as possible within three months from the ..... (here enter the date) but not earlier than..... (here enter the date of retirement) and inform the applicant direct in sufficient time where and when he should appeal for the examination.

The next birthday of the applicant falls on..... (date) and his medical examination may be arranged before that date, if possible, unless the applicant desires that it should be held after that date but within the period prescribed in the sanctioning order.

Signature and designation of the sanctioning authority.

## FORM 29

(IAF-340 B)

## PART I

Subject to the medical authority's recommending commutation, the lump sum payable shall be as stated below—

Sum payable, if the commutation becomes absolute before the applicant's next birthday which falls on.....	On the basis of normal age, namely,..... years
Sum payable if the commutation becomes absolute after the applicant's next birthday but before his next birthday but one.....	On the basis of normal age, namely;..... years
	Rupees.....

Signature of the sanctioning Authority.

The commutation for a lump sum payment of the pension of..... is administratively sanctioned on the basis of Part I above. The table of present values, on the basis of which calculations in Part I have been made is subject to alteration at any time without notice, and consequently they

are liable to revision before payment is made. The sum payable shall be the sum appropriate to the applicant's age on his birthday next after the date on which the commutation becomes absolute or, if the medical authority directs that years shall be added to that age, to the consequent assumed age.

2. The.....

(here enter the designation and address of the Chief Administrative Medical Officer)

has been requested to arrange for the medical examination and inform Shri..... direct where and when he should appear for the examination. He should bring with him the enclosed Form 30 with the particulars required in Part I thereof completed except for the signature.

Station..... Signature.....

Date..... Designation.....

To

.....  
(the name and the

.....  
address of the applicant)

Instructions : (1) If the medical examination is conducted by a single medical officer, the applicant shall himself pay the medical officer's fee but if he is originally examined by a civil medical board, he shall pay a fee of rupees four into a government treasury and make over before examination, the receipt for the fee to the board together with an additional fee of rupees twelve in cash. If the pensioner is examined by a Service board, no fee shall be paid by him in respect of his first examination.

(2) If a pensioner, who has once been refused commutation on medical grounds or has once declined to accept commutation on the basis of an addition of years to his actual age, applies for a second medical examination, the entire expenses of such examination shall be borne by him and no refund shall be paid to him irrespective of the result of re-examination.

## FORM 30

(IAFA-340 C)

Medical Examination by the.....

(here enter the medical authority)

## PART I

Statement by the applicant for commutation of a portion of his pension.

The applicant must complete this statement prior to his examination by the.....

(here enter the medical authority)

and must sign the declaration appended thereto in the presence of that authority.

1. Name in full (in BLOCK letters)
2. Date of birth.
3. Have you ever been granted leave on medical grounds. If so, state the period of leave and nature of illness?
4. Has any application for insurance on your life ever been declined or accepted at an increased premium?
5. (a) Have you ever been told that you have albumen or sugar in the urine?  
(b) Do you get up at night to urinate?  
(c) Are you now or have you ever been on special diet for your health?  
(d) Has there been any marked increase or decrease in your weight within the past three years? If so, how much?
6. Have you been under the treatment of any medical practitioner within the last three months? If so, for what illness?

#### DECLARATION BY APPLICANT

(To be signed in the presence of the medical authority)

1. I declare that all the answers given above, are to the best of my belief, true and correct.

2. I shall reveal fully to the medical authority all the circumstances within my knowledge that concern my health.

3. I am fully aware that by wilfully making a false statement or concealing a relevant fact I shall incur the risk of losing the commutation I have applied for and of having my pension withheld or withdrawn under regulation 8 of the Navy (Pension) Regulations, 1964.

Signed in the presence of .....

(Applicant's signature)

Signature and designation of the medical authority

#### PART II

(To be filled by the examining medical authority)

1. Apparent age
2. Height
3. Weight
4. Girth of abdomen at level of umbilicus.
5. (1) Pulse rate—  
(a) sitting  
(b) standing  
(2) what is the character of pulse?

6. What is the condition of arteries?

7. Blood pressure—

- (a) Systolic
- (b) Diastolic

8. Is there any evidence of disease of the main organs—

- (a) Heart
- (b) Lungs
- (c) Liver
- (d) Spleen

9. (1) Does chemical examination of urine show (i) albumen,  
(ii) Sugar?

(2) State specific gravity.

10. Has the applicant a rupture?  
If so state the kind and if reducible.

11. Describe any scars or identifying marks.

12. Any additional information.

#### PART III

I/We have carefully examined .....  
and am/are of opinion that :—

He is in good bodily health and has the prospect of an average duration of life.

OR

He is not in good bodily health and is not a fit subject for commutation.

OR

Although he is suffering from .....  
he is considered a fit subject for commutation but his age for the purpose of commutation that is the age next birthday should be taken to be ..... years more than  
(in words)

his actual age.

Station.....

Date.....

Left hand thumb impression or signature of the applicant.

Signature and designation of the examining medical authority.

Reviewing Medical Authority.

31. Amendment of Appendix IX—In Appendix IX of the said regulations, in the Table.

(1) under the heading "Officers",—

- (a) against item 3, sub-item (a), in column 3, clause  
(2) shall be omitted.



(b) against item 4, in column 3, in clause (1), for the words, brackets, figures and letters "Form 11 (MPB-510 Pensions)", the words, brackets, figures and letters "Form 11 MPB-510/Pensions or MPB-511/Pensions" shall be substituted;

(c) against item 5, in column 4, below the sub-heading "Outside India", for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"From the applicant to the Secretary to the Government of India, Ministry of Defence, through the Indian Mission concerned and the Controller of Defence Accounts (Pensions);"

(2) under the heading "Sailors",—

(a) against item 5, in column 3, against Serial number 5(B), the following shall be inserted in column 5, namely :—

"On receipt, from the Pension Disbursing Officer, of intimation of the death of a pensioner in receipt of a disability pension, the Controller of Defence Accounts (Pensions) shall pass on the information immediately to the Commodore Naval Barracks, who shall thereupon initiate the claim for special family pension. If the Commodore Naval Barracks independently receives the intimation of the death of such a pensioner from other sources, he shall not wait for a confirmation from the Controller of Defence Accounts (Pensions) but shall immediately initiate action to prepare a family pension claim.";

(b) against item 7,

(i) in column 1, the words "to eligible widows" shall be omitted.

(ii) in column 3, under the heading 'Pension',

(a) after clause (v), the following clause shall be inserted, namely :

"(vi) A certificate to be given after investigation about the dependency of the parents for support upon the deceased individual, in cases where the claimant is father or mother".;

(b) under the heading "Gratuity", after clause (vi), the following clause shall be inserted, namely:—

"(vii) A certificate to be given after investigation about the dependency of the parents for support upon the deceased individual, in cases where the claimant is father or mother";

(iii) in column 5, the following entry shall be inserted, namely :—

"On receipt from the pension disbursing officer of the intimation of the death of the pensioner in receipt of a service pension who dies within five years from the date of discharge, the Controller of Defence Accounts (Pensions) shall pass on the information immediately to the Commodore Naval Barracks, who shall thereupon initiate the claim for ordinary family pension. If the Commodore Naval Barracks indepen-

dently receives the intimation of the death of such a pensioner from other sources, he shall not wait for the confirmation from the Controller of Defence Accounts (Pensions) but immediately initiate action to prepare a family pension claim".;

(c) after item 11, the following item and entries shall be inserted, namely :—

1	2	3	4	5
"12	Commuta- tion of pension of sailors including those granted honorary Commissions	I A F A 340A 340B 340C	If the applicant is Still in service or has retired but his pension has not yet been sanctioned, from the applicant to the Controller of Defence Accounts (Pensions) through the Commodore Naval Barracks. If the applicant is in receipt of pension, from the applicant to the Controller of Defence Accounts (Pensions) through the Pension Disbursing Officer concerned."	

(3) The following "Notes" shall be inserted at the end, namely ;

Note I—Form MPB-510/Pensions is used for parents and Form MPB-511/Pensions is used for brother and sisters.

II—All cases of death from disease, accidental injury, suicide or murder, regardless of the circumstances, in which the invalidation or death occurred shall be submitted by the Commodore Naval Barracks, to the Controller of Defence Accounts (Pensions) as claims for family pension, with the exception of the undermentioned type of cases, namely :—

(1) Cases where an individual outlives a normal span of life, that is where death takes place at the age of sixty years or above.

(2) Cases where an individual was discharged on other than medical grounds with a service pension or gratuity and the cause of death is other than a disease.

(3) Cases of reservists who die whilst in reserve (except when called up for service or training) and the cause of death is other than a disease :

Provided that doubtful cases amongst the excepted categories referred to above shall be referred to the Controller of Defence Accounts (Pensions) for decisions".

(Min. of Fin./Def. u.o. No. 1865 Pen of 1973)

[File No. PN/2238/XV]

R. N. TYAGI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1975

का०नि०प्रा० 96.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्युक्त द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रक्षा मंत्रालय के अधीन इंजीनियर अनुवादक के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ : (1) इन नियमों का नाम रक्षा मंत्रालय (इंजीनियर अनुवादक) भर्ती नियम, 1975 है।
  - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
  2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या, वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
  3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
  4. निरर्हताएं : वह व्यक्ति—
  - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
  - (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;
- उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुमोदित है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा जहाँ कहीं आवश्यक हो, संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आवेदन द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	उपपद अथवा अभ्ययन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं।
1	2	3	4	5	6	7
इंजीनियर अनुवादक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 1 राजपत्रित।	550-30-790-40-950 रु० (पुनरीक्षित किया जाना है)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नती का वंश में लागू होंगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो।	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल।	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संचरणा।	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायगा।	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (जिसमें अल्पावधि संविदा भी सम्मिलित है)	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसमें अल्पावधि संविदा भी सम्मिलित है) : केन्द्रीय सरकार या पब्लिक सेक्टर उपक्रमों के अधीन सदृश पद धारण करने वाले ऐसे अधिकारी जिनके पास निम्नलिखित अर्हताएं और अनुभव हैं :— आवश्यक. (1) इंजीनियरी में उपाधि या डिप्लोमा।	लागू नहीं होता	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन यथा- [पेक्षित।	

8	9	10	11	12	13
			(2) रूसी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से रूसी में अनुवाद करने में उस के समान प्रवीणता जो विदेशी भाषा विद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित द्विभाषिता परीक्षा उत्तीर्ण करने से प्राप्त होती है।		
			वांछनीय :		
			(1) रूसी भाषा में उच्च पाठ्यक्रम डिप्लोमा।		
			(2) भारत सरकार के उपक्रमों में रूसी से अंग्रेजी में अनुवाद कार्य का अनुभव।		
			(3) रूसी भाषा में इंजीनियरी और तकनीकी शब्दों का ज्ञान।		
			(प्रतिनियुक्ति या सविदा की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)		

[फा०सं० एफ० 4(18)74/डी०(स्था०)/जी०पी०1]

एस० एन० राय, सचिव

New Delhi, the 22nd February, 1975

S.R.O. 96.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Engineer Translator under the Ministry of Defence, namely :—

1. Short title and commencement :—

- (1) These rules may be called the Ministry of Defence (Engineer Translator) Recruitment Rules, 1975.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications.—No person,

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or,
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, wherever necessary, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection or non-Selection Post.	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Engineer Translator	1	General Central Service, Class I Gazetted.	Rs.550-30-790-40-950 (to be revised)	Not applicable	Not applicable	Not applicable.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer grades from which promotion or deputation or transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation (including short term contract).	Transfer on deputation (including short term contract) : Officers holding analogous posts under the Central Government or Public Sector Undertakings possessing the following qualifications and experience :—  Essential : (i) A degree or diploma in Engineering. (ii) Proficiency in the translation from Russian to English and vice-versa equal to that achieved by passing the Interpretership Examination conducted by the School of Foreign Languages, New Delhi.  Desirable : (i) Advance Course Diploma in Russian Language. (ii) Experience of translation work from Russian to English in Government of India Undertakings (iii) Knowledge of Engineering and technical terms in Russian Language.  (Period of deputation or contract ordinarily not exceeding 3 years).	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation), Regulations, 1958.

[File No. 4(18)74/D(Est. I/Gp.I)]

S. N. ROY, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1975

का० नि० प्रा० 97.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, वायुसेना एकक में सिविलियन (औद्योगिक वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती नियम 1970 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम वायुसेना एकक में सिविलियन (औद्योगिक वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम 1975 है।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वायुसेना में एकक सिविलियन (औद्योगिक वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती नियम 1970 में,—

(i) नियम 4 में, परन्तुक का लोप किया जाएगा;

(ii) नियम 6 के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“7. व्यावृत्ति.—इन नियमों में की कोई बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बंध में समय समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियां, अनुसूचित जनजातियां और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।”

[ (iii) अनुसूची में, क्रम संख्या 48 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

## अनुसूची

क्रम सं०	पद का नाम	वर्गीकरण	वर्तमान	चयन पद अथवा प्रत्ययन पर	सीटें भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीटें भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
49.	पोशिससाज श्रेणी 1	रक्षा सेवाओं में सिविलियन, वर्ग 3, औद्योगिक-अनसूचित	260-6-290-६००-६-326-8-366-६००-०-8-390-10-400 रु०	अचयन	25 वर्ष से अनधिक	आवश्यक : मिडिल स्कूल स्तर उत्तीर्ण जिसको पोशिस की मरम्मत और रख-रखाव करने में फर्म में 5 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव ।
50.	पोशिससाज	रक्षा सेवाओं में सिविलियन, वर्ग 3, औद्योगिक-अनसूचित सचिवीय	210-4-226-६००-०-4-250-६००-०-5-290 रु०	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अनधिक	आवश्यक : मिडिल स्कूल स्तर उत्तीर्ण जिसको व्यवसाय में प्रयोग की जाने वाले सामग्री के विभिन्न प्रकार और क्वालिटी का एक वर्ष का अनुभव और सीट बनाने का और केबिन की छत डालने का व्यावहारिक ज्ञान हो ।
51.	मूलवाचक (मुद्रणासय)	रक्षा सेवाओं में सिविलियन, वर्ग 3, औद्योगिक-अनसूचित सचिवीय ।	260-6-326-६००-०-8-350 रु०	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अनधिक	आवश्यक : मैट्रिक या सव्य अर्हता । वाछनीय : टंकण का ज्ञान ।
<p>सीटें भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की वषा में लागू होंगी या नहीं</p> <p>परिबीक्षा की अवधि, यदि कोई हो</p> <p>भर्ती की पद्धति भर्ती सीटें होंगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत</p> <p>प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वषा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा</p> <p>यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना</p> <p>भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा</p>						
8	9	10	11	12	13	
49. अर्हताएं--हा आयु--नहीं	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न होने पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों में से किसी के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	प्रोन्नति:- प्रोशिमसाज श्रेणी 2 जिसकी श्रेणी में कम से कम 5 वर्ष की सेवा हो ।	वर्ग 3, विभागीय प्रोन्नति समिति	लागू नहीं होता	
			स्थानान्तरण:- रक्षा सेवाओं में निम्नतर संगठनों में समरूप सदृश या उच्चतर श्रेणियों में कार्य करने वाले व्यक्ति ।			
50. लागू नहीं होता	2 वर्ष	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	स्थानान्तरण:- रक्षा सेवाओं में निम्नतर संगठनों में समरूप सदृश और उच्चतर श्रेणियों में कार्य करने वाले व्यक्ति ।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
51. लागू नहीं होता	2 वर्ष	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	स्थानान्तरण:- रक्षा सेवाओं में निम्नतर संगठनों में समरूप सदृश और उच्चतर श्रेणियों में कार्य करने वाले व्यक्ति ।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	

1	2	3	4	5	6	7
52. मुद्रक	रक्षा सेवाओं में, सिविलियन, वर्ग 3, औद्योगिक अनुसूचिणीय।	260-6-326-४००रो०-8-350 रु०	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अनधिक	आवश्यक : (क) मिडिल स्कूल स्तर उत्तीर्ण। (ख) मुख्यालय में मुद्रक के रूप में न्यूनतम 2 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। वांछनीय : मुद्रण मशीन के प्रचलन और रख-रखाव की योग्यता।	
53. मशीन माइन्डर (सिलेण्डर)	रक्षा सेवाओं में, सिविलियन, वर्ग 3, औद्योगिक अनुसूचिणीय।	260-6-326-४००रो०-8-350 रु०	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अनधिक	(क) मिडिल स्कूल स्तर उत्तीर्ण, (ख) मशीन माइन्डर के रूप में मुख्यालय में न्यूनतम 2 वर्ष का अनुभव तथा मुद्रण मशीन के प्रचालन और रखरखाव की योग्यता।	
54. बायलर परिचारक	रक्षा सेवाओं में, सिविलियन, वर्ग 3, औद्योगिक, अनुसूचिणीय।	260-6-326-४००रो०-8-350 रु०	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अनधिक	मिडिल स्कूल स्तर उत्तीर्ण किसी फर्म में बायलर परिचारक के रूप में न्यूनतम 3 वर्ष के व्यवहारिक अनुभव का बायलर निरीक्षक से लाइसेंस पास में होना चाहिए।	
55. मसूनासाज	रक्षा सेवाओं में, सिविलियन, वर्ग 3, औद्योगिक अनुसूचिणीय।	320-6-326-8-390-10-400 रु०	लागू नहीं होता	25 वर्ष से अनधिक	आवश्यक : मैट्रिक जिसका ट्रेड में 3 वर्ष का व्यवहारिक अनुभव हो। वांछनीय : ट्रेड में तकनीकी संस्थान से प्रमाण-पत्र।	
8	9	10	11	12	13	
52. लागू नहीं होता	2 वर्ष	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा	स्थानान्तरण: रक्षा सेवाओं में निम्नतर संगठनों में समरूप सद्गुण और उच्चतर श्रेणियों में कार्य करने वाले व्यक्ति।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता।	
53. लागू नहीं होता	2 वर्ष	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	स्थानान्तरण: रक्षा सेवाओं में निम्नतर संगठनों में समरूप, सद्गुण और उच्चतर श्रेणियों में कार्य करने वाले व्यक्ति।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
54. लागू नहीं होता	2 वर्ष	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	स्थानान्तरण: रक्षा सेवाओं में निम्नतर संगठनों में समरूप, सद्गुण और उच्चतर श्रेणियों में कार्य करने वाले व्यक्ति।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता।	
55. लागू नहीं होता	2 वर्ष	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	स्थानान्तरण: रक्षा सेवाओं में निम्नतर संगठनों में समरूप सद्गुण, और उच्चतर श्रेणियों में कार्य करने वाले व्यक्ति।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता।	

1	2	3	4	5	6	7
56. विद्युत्संयोजक	रक्षा सेवाओं में सिविलियन, वर्ग 3, औद्योगिक अनु- संधिधीय।	260-6-326-४००- 8-350 २०	लागू नहीं होता।	25 वर्ष से अनधिक।	आवश्यक : मैट्रिकुलेट जिसका विद्युत्संयोजक अनु- भाग में 3 वर्ष का अनुभव हो। वाटमीय . व्यवसायिक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान विषय में प्रमाणपत्र।	
57. शामयाना सुधारक	रक्षा सेवाओं में सिविलियन, वर्ग 4, औद्योगिक अनु- संधिधीय।	210-4-226-४००- 4-250-४००-5- 290 २०	लागू नहीं होता।	25 वर्ष से अनधिक।	शिक्षित जिसको सिलाई के काम और सिलाई मशीन के साधारण रखरखाव का ज्ञान हो।	
58. भट्ठीवाला	रक्षा सेवाओं में सिविलियन वर्ग 4 औद्योगिक अनु- संधिधीय।	210-4-226-४००- 4-250-४००-5- 290 २०	लागू नहीं होता।	25 वर्ष से अनधिक।	मिडिल स्कूल स्तर उत्तीर्ण जिसका किसी फर्म में तेल से जलने वाली उच्च तापमट्री और विद्युत् भट्ठी को जलाने और प्रचालन का कम से कम एक वर्ष का व्यावहारिक अनुभव हो।	
59. पुस्तक बन्धक	रक्षा सेवाओं में सिविलियन, वर्ग 4 औद्योगिक अनु- संधिधीय।	210-4-226-४००- 4-250-४००-5- 290 २०	लागू नहीं होता।	25 वर्ष से अनधिक।	मिडिल स्कूल स्तर उत्तीर्ण जिसको पुस्तक बन्धक सामग्री और औजारों का ज्ञान हो और कम से कम एक वर्ष का पुस्तक बन्धन का अनुभव हो।	

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	स्थानान्तरण: रक्षा सेवाओं में निम्नतर संगठनों में समरूप, सवृण, और उच्चतर श्रेणियों में कार्य करने वाले व्यक्ति।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता।
लागू नहीं होता	6 मास	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	स्थानान्तरण: रक्षा सेवाओं में निम्नतर संगठनों में समरूप, सवृण, और उच्चतर श्रेणियों में कार्य करने वाले व्यक्ति।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता।
लागू नहीं होता	6 मास	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	स्थानान्तरण: रक्षा सेवाओं में निम्नतर संगठनों में समरूप, सवृण, और उच्चतर श्रेणियों में कार्य करने वाले व्यक्ति।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता।
लागू नहीं होता	6 मास	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	स्थानान्तरण: रक्षा सेवाओं में निम्नतर संगठनों में समरूप, सवृण, और उच्चतर श्रेणियों में कार्य करने वाले व्यक्ति।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता।

60. तेलवाला	रक्षा सेवाओं में मिलियन, वर्ग 4, औद्योगिक प्रतनु- सन्विकीय।	210-4-226-४००-०- 4-250-४००-5- 290 रु०†	लागू नहीं होता। 25 वर्ष से अनधिक।	मिडिल स्कूल स्तर उत्तीर्ण जिसको किसी विद्युत वर्कशाप में विद्युत मोटर, जनिबों (जनरेटर्स) और रूपान्तरकों (ट्रान्सफार्मर्स) की साधारण सर्विसिंग का काम से कम एक वर्ष का व्यावहारिक अनुभव हो।
		†कर्मचारी को 250/- रु० के परे तत्स्थानी श्रेणी पर 85-110 रु० के वर्त- मान वर्कशाप वेतनमान को प्राप्त करने के लिए लागू होने वाले स्तर का विहित ट्रेड प्रशिक्षण उत्तीर्ण करने के मध्यधीन रहते हुए अग्रसर होने की अनुज्ञा देनी चाहिए।		

8	9	10	11	12	13
60 लागू नहीं होता	6 मास	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	स्थानान्तरण- रक्षा सेवाओं में निम्नतर संगठनों में समरूप, सदृश, और उच्चतर श्रेणियों में कार्य करने वाले व्यक्ति।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता।

New Delhi, the 22nd February, 1975

S.R.O. 97.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Civilians in Air Force Units (Industrial Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1970, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Civilians in Air Force Units (Industrial Class III and Class IV Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2 In the Civilians in Air Force Units (Industrial Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1970,—

(i) in the rule 4, the proviso shall be omitted;

(ii) after rule 6, the following shall be inserted, namely :

"7. Saving—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard."

(iii) in the Schedule, after Serial No. 48 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

#### SCHEDULE

Sl. No.	Name of the post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection post	Age limit for direct Recruits	Educational and other qualifications for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
49	Upholsterer Grade I	Civilians in Defence Services Class III, Industrial, Non-Ministerial.	Rs. 260 6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Non-Selection	Not exceeding 25 years.	Essential : Middle School standard pass with five years practical experience in a firm dealing with repair and maintenance of upholstery.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of Recruitment by promotion/transfer, grades from which promotion/transfer to be made		If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11		12	13
Qualification : Age : No	Two Years Yes.	By promotion failing which by transfer and failing both by direct recruitment.	Promotion : Upholsterer Grade II with at least 5 years service in the grade. Transfer : Persons working in similar, equivalent or higher grades in the lower formations of Defence Services.		Class III DPC	Not applicable.



1	2	3	4	5	6	7
50 Upholsterer	Civilians in Defence Services Class III, Industrial, Non-Ministerial.	Rs. 210-4-226-EB-4-250-EB-5-290.	Not applicable	Not exceeding 25 years.	Essential : Middle School standard pass with one year experience on different types and quality of materials in use in the trade and practical knowledge of seat making and cabin roofing.	
51 Copy Holder (Printing Press)	Civilians in Defence Services Class III, Industrial, Non-Ministerial.	Rs. 260-6-326-EB-8-350	Not applicable	Not exceeding 25 years.	Essential : Matriculation or equivalent qualification.  Desirable : Knowledge of type-writing.	
52 Printer	Civilians in Defence Services Class III, Industrial, Non-Ministerial.	Rs. 260-6-326-EB-8-350.	Not applicable	Not exceeding 25 years.	Essential : (a) Middle School Standard pass (b) Should have minimum two years experience as a printer in a printing press  Desirable : Ability to operate and maintain printing machine.	
53 Machine Minder (Cylinder)	Civilians in Defence Services Class III, Industrial, Non-Ministerial.	Rs. 260-6-326-EB-8-350.	Not applicable	Not exceeding 25 years.	(a) Middle School Standard pass. (b) Minimum two years experience in a Printing Press as a Machine Minder with ability to operate and maintain printing machines.	
54 Boiler Attendant	Civilians in Defence Services, Class III, Industrial, Non-Ministerial.	Rs. 260-6-326-EB-8-350.	Not applicable	Not exceeding 25 years.	Middle School standard pass. Should possess a licence from Inspector of Boilers with a minimum of 3 years practical experience as a Boiler Attendant in a firm.	
55 Pattern Maker	Civilians in Defence Services, Class III, Industrial, Non-Ministerial.	Rs. 320-6-326-8-390-10-400.	Not applicable.	Not exceeding 25 years.	Essential : Matriculation with 3 years practical experience in the trade. Desirable : Certificate from a technical Institute in the trade.	

8	9	10	11	12	13
Not applicable.	Two years	By transfer failing which by direct recruitment.	Transfer : Persons working in similar, equivalent or higher grades in the lower formations of Defence Services.	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable.	Two years	By transfer failing which by direct recruitment.	Transfer : Persons working in similar, equivalent or higher grade in lower formations of Defence Services.	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable.	Two years	By transfer failing which by direct recruitment.	Transfer : Persons working in similar, equivalent or higher grades in lower formations of Defence Services.	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable.	Two years	By transfer failing which by direct recruitment.	Transfer : Persons working in similar, equivalent or higher grades in lower formations of Defence Services.	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable.	Two years	By transfer failing which by direct recruitment.	Transfer : Persons working in similar, equivalent or higher posts in lower formations of Defence Services.	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable.	Two years	By transfer failing which by direct recruitment.	Transfer : Persons working in similar, equivalent or higher posts in lower formations of Defence Services.	Not applicable.	Not applicable.

1	2	3	4	5	6	7
56 Electroplator	Civilians in Defence Services, Class III, Industrial, Non-Ministerial.	Rs. 260-6-326-EB-8-350.	Not applicable	Not exceeding 25 years.	Essential : Matriculation with 3 years experience in a Electroplating shop.  Desirable : Certificate from vocational ITI in the subject.	
57 Tent Repairer	Civilians in Defence Services, Class IV Industrial, Non-Ministerial.	Rs. 210-4-226-EB-4-250-EB-5-290.	Not applicable.	Not exceeding 25 years.	Literate having knowledge of tailoring and simple maintenance of sewing machines.	
58 Furnace Man	Civilians in Defence Services Class IV Industrial, Non-Ministerial.	Rs. 210-4-226-EB-4-250-EB-5-290.	Not applicable	Not exceeding 25 years.	Middle School Standard pass with at least one year practical experience in a firm on lighting and operation of oil fired HT Furnace and Electric Furnace.	
59 Book Binder	Civilians in Defence Services, Class IV, Industrial, Non-Ministerial.	Rs. 210-4-226-EB-4-250-EB-5-290.	Not applicable.	Not exceeding 25 years.	Middle School Standard pass with knowledge of book binding materials, tools and at least one year experience of book binding.	
60 Oil Man	Civilians in Defence Services, Class IV, Industrial, Non-Ministerial.	Rs. 210-4-226-EB-4-250-EB-5-290* *The employees should be allowed to proceed beyond the stage of Rs. 250/- only subject to their passing the prescribed trade test of standard applicable for getting into the existing workshop scale of Rs. 85-110 on the corresponding grade.	Not applicable.	Not exceeding 25 years.	Middle School standard pass with practical experience of at least one year in an electrical workshop on simple servicing of electrical motors generators and transformers.	

8	9	10	11	12	13
Not applicable.	Two years	By transfer failing which by direct recruitment.	Transfer : Persons working in similar, equivalent or higher grades in lower formations of Defence Services.	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable.	Six months	By transfer failing which by direct recruitment.	Transfer : Persons working in similar, equivalent or in higher grade in lower formations of Defence Services.	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable.	Six months	By transfer failing which by direct recruitment.	Transfer : Persons working in similar, equivalent or in higher grade in lower formations of Defence Services.	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable.	Six months	By transfer failing which by direct recruitment.	Transfer : Persons working in similar, equivalent or in higher grade in lower formations of Defence Services.	Not applicable.	Not applicable.
Not applicable.	Six months	By transfer failing which by direct recruitment.	Transfer : Persons working in similar, equivalent or in higher grade in lower formations of Defence Services.	Not applicable.	Not applicable.

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 1975

का०नि०आ० सं० 98.— भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 4, तारीख 3 फरवरी, 1973 में प्रकाशित, भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० नि० आ० 21, तारीख 19 जनवरी, 1973 में, पृष्ठ 38 पर,

(क) अधिसूचना के आरम्भिक पैरा में, "भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०नि०आ० 2, तारीख 4 जनवरी, 1969 के साथ प्रकाशित निम्न श्रेणी लिपिक और ग्राफ़्टर (रक्षा सेवा) भर्ती नियम, 1968" के स्थान पर "भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०नि०आ० 205 तारीख 23 मई, 1969 के साथ प्रकाशित, रक्षा मंत्रालय (वर्ग 3 पद) भर्ती नियम, 1969" पढ़ें।

(ख) नियम 1 के उप-नियम (i) में, "निम्न श्रेणी के लिपिक और ग्राफ़्टर (रक्षा मंत्रालय) भर्ती (संगोधन) नियम, 1973" के स्थान पर "रक्षा मंत्रालय (वर्ग 3 पद) भर्ती (संगोधन) नियम, 1973" पढ़ें।

(ग) नियम 2 में, "निम्न श्रेणी लिपिक और ग्राफ़्टर (रक्षा सेवा) भर्ती नियम, 1968" के स्थान पर "रक्षा सेवा (वर्ग 3 पद) भर्ती नियम, 1969" पढ़ें।

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 1975

S.R.O. No. 98.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. SRO 21, dated the 19th January, 1973 published in the Gazette of India Part II-Section 4, dated the 3rd February, 1973, on page 38 to 39.

(a) in the opening paragraph of the notification, for "the Lower Division Clerk and Steno-typist (Defence Services) Recruitment Rules, 1968 published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. SRO 2 dated the 4th January, 1969" read "the Ministry

of Defence (Class III posts) Recruitment Rules, 1969 published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. SRO 205, dated the 23rd May, 1969",

(b) in sub-rule (i) of rule 1 for "the Lower Division Clerk and Steno-typist (Defence Service) Recruitment (Amendment) Rules, 1973", read "the Ministry of Defence (Class III posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1973",

(c) in rule 2 for "Lower Division Clerk and Steno-typist (Defence Service) Recruitment Rules 1968" read "the Ministry of Defence (Class III posts) Recruitment Rules, 1969".

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1975

का०नि०आ० सं० 99.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 4, तारीख 14 फरवरी, 1970 के पृष्ठ 41 से 44 पर प्रकाशित भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० एस०आर०ओ० 85, तारीख 28 जनवरी, 1970 में अनुसूची में पृष्ठ 44 पर मिलान के लिपिक पद के सामने स्तम्भ 2 के अन्तिम, 'अनुसूचीय' के स्थान पर 'अनुसूचित' पढ़िए।

[फा० सं० 77749/क०मू०क०]

ए०एस० बेदी, अवर सचिव

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 26th February, 1975

S.R.O. 99.—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Defence, No. S.R.O. 85, dated the 28th January, 1970, published at pages 41 to 44 of the Gazette of India, Part II, Section 4, dated the 14th February, 1970, in the Schedule, on page 44, against the post of Tally Clerks under Column 2, for 'Ministerial' read 'non-Ministerial'.

[File No. 77749/Q Mov A]

A. S. BEDI, Under Secy

